लखनऊ

रविवार, अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 24

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मुश्किलें वे औजार हैं जिनसे ईश्वर हमें बेहतर कामों के लिए तैयार करता हैं। - एच. डबल्यू वीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री का सामान गिरने से मची थी भगदड़: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गत 15 फरवरी को मची भगदड़ का वास्तविक कारण सामने आ गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ के बीच एक यात्री का सिर पर रखा सामान गिरने से भगदड़ मच गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। बता दें की इस भगदड़ में 11 महिलाओं समेत कुल 18 लोगों की मौत हो गई थी। उच्च-स्तरीय जांच समिति ने पाया कि हादसे का कारण यात्री के सिर पर लदा सामान गिरना था। भगदड़ में 4 बच्चों और 11 महिलाओं समेत अन्य पीड़ितों की दम घुटने से मौत हुई। घटना रात 8:48 बजे फुटओवर ब्रिज 3 पर हुई। रात सवा 8 बजे के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने और कई यात्रियों के सिर पर भारी सामान लेकर चलने से फुटब्रिज पर आवाजाही बाधित हो गई।
इस दौरान एक यात्री का सामान गिरने से भगदड़ मच गई।
मंत्री वैष्णव ने बताया कि इस त्रासदी के मद्देनजर भारतीय रेलवे अधिक भीड़ वाले 73 स्टेशनों पर व्यापक भीड़ प्रबंधन उपाय लागू करेगा। नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में पायलट प्रोजेक्ट पहले से ही चल रहे हैं। रेलवे मौजूदा संकरी संरचनाओं की जगह नए फुटओवर ब्रिज डिजाइन (12 मीटर ऊंचे और 6 मीटर चौड़े) लाएगा। रैंप वाले ये चौड़े पुल हाल ही में हुए महाकुंभ के दौरान कारगर रहे थे। सभी भारी यातायात वाले स्टेशनों पर सीसीटीवी नेटवर्क और समन्वित भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम सहित उन्नत निगरानी प्रणालियां स्थापित की जाएंगी। व्यस्त समय के दौरान समन्वय में सुधार के लिए वॉकी-टॉकी और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसे डिजिटल संचार उपकरण भी लगाए जाएंगे।

इंडिगो फ्लाइट में एक यात्री ने दूसरे यात्री को जड़ा जोरदार थप्पड़

नई दिल्ली। मुंबई से कोलकाता जाने वाली फ्लाइट में अभद्रता का एक मामला सामने आया है। दरअसल विमान में एक यात्री को अचानक घबराहट हुई। एयरहोस्टेस उसे शांत कराने की कोशिश करते हुए उसे दूसरी जगह ले जाने लगी। तभी एक सह यात्री ने उसे थप्पड़ मार दिया। रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को मुंबई से कोलकाता जाने वाली इंडियो एयरलाइंस की उड़ान में एक यात्री अचानक घबराहट हुई। तभी एयर होस्टेस ने उसकी मदद की। इस दौरान विमान में बैठे एक साथी यात्री ने उसे थप्पड़ मार दिया। रिपोर्ट के अनुसार यह घटना उड़ान संख्या 6ई138 में घटी और विमान उतरने के बाद अपराधी को कोलकाता हवाई अड्डे पर सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि एयरलाइन ने आरोपी को भी उपद्रवी घोषित कर दिया। विस्तृत विवरण दिए बिना, इंडिगो ने कहा कि उसे अपनी एक उड़ान में हुई मारपीट की घटना की जानकारी है। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे चालक दल ने स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार काम किया। संबंधित व्यक्ति की पहचान उपद्रवी के रूप में की गई और आगमन पर उसे सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया गया। प्रोटोकॉल के अनुसार सभी उपयुक्त नियामक एजेंसियों को विधिवत सूचित कर दिया गया है।

'हम वही खरीदेंगे जो भारतीयों की मेहनत से बना हो, वाराणसी में दिया आत्मनिर्भर भारत का ये गूढ़ मंत्र'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। विश्व की अस्थिर अर्थव्यवस्था के प्रति चिंता जताते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिये सबसे ऊपर है। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए अब हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है। प्रधानमंत्री ने करीब 53 मिनट के अपने भाषण के अंतिम छह मिनट में भारत की अर्थव्यवस्था और स्वदेशी का उल्लेख किया। मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हम आर्थिक प्रगति की बात कर रहे है, तो मैं आपका ध्यान वैश्विक हालात पर ले जाना चाहता हूं। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही हैं। अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर ध्यान दे रहे है।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा भारत

मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिये भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। लेकिन देश के नागरिक के रूप में भी हमारे कुछ दायित्व है। यह बात सिर्फ मोदी नहीं, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को दिन में हर पल बोलते रहना चाहियें। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल हो, कोइै भी राजनेता हो, उसे अपने संकोच को छोड़कर के देशहित में देशवासियों के अंदर स्वदेशी के संकल्प का भाव जगाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है। वह वस्तु भारत के लोगों ने बनाई है, भारत के लोगों के कौशल से बनी है। भारत के लोगों के पसीने से बनी है।

वोकल फार लोकल' मंत्र को अपनाना होगा

हमें 'वोकल फार लोकल' मंत्र को अपनाना होगा। मोदी ने कहा कि हमारे घर में जो भी नया सामान आयेगा, वह स्वदेशी ही होगा। यह जिम्मेदारी हर देशवासी को लेनी होगी। उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी माल ही बेचने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, "स्वदेशी माल बेचने का संकल्प भी देश की सच्ची सेवा है। त्योहारों के महीने आने वाले हैं। उसके बाद शादियों का सीजन है। इस दौरान स्वदेशी वस्तुओं को ही खरीदना चाहिए।

'मैं राजा नहीं हूं और राजा बनना भी नहीं चाहता', समर्थकों की नारेबाजी पर राहुल गांधी का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि वह राजा नहीं बनना चाहते और इसकी अवधारणा के ही खिलाफ हैं। उन्होंने यह बात 'संवैधानिक चुनौतियाँ: परिप्रेक्ष्य और रास्ते' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। जैसे ही उन्होंने अपना संबोधन शुरू किया, विज्ञान भवन हॉल में मौजूद समर्थकों ने 'इस देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो' के नारे लगाने शुरू कर दिये। इस पर, गांधी ने जवाब दिया, 'नहीं बॉस, मैं राजा नहीं हूं। राजा बनाना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा के खिलाफ हूं, अवधारणा के भी खिलाफ हूं।'

'नहीं बॉस, मैं राजा नहीं हूं। राजा बनाना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा के खिलाफ हूं, अवधारणा के भी खिलाफ हूं।'

वहीं, सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर धांधली हुई है और अगर इनमें से 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विधिक सम्मेलन में इस बात को फिर से दोहराया कि कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वो एटम बम की तरह हैं।

उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इसका सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हुई। उनके नए दावे पर निर्वाचन आयोग की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज (नरेन्द्र मोदी) प्रधानमंत्री पद पर बहुत ही साधारण बहुमत के साथ हैं। हमारा मानना है कि (लोकसभा चुनाव में) 70,80 या 100 सीट तक पर धांधली हुई है। यदि 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो वह (मोदी) भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते।

दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है नया भारत, काशी में बोले सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। सीएम योगी ने कहा नया भारत दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की शक्ति का एहसास दुनिया को कराया। पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पीएम के नेतृत्व में काशी को अब तक हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उपहार मिला। किसान और दिव्यांगजन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

अन्नदाता किसानों की 11 वर्ष पहले क्या स्थिति थी, खेती से पलायन होता था, आत्महत्या करने के लिए विवश होते थे। आज हेल्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बीज को बाजार तक पहुंचाने के लिए एक इको सिस्टम जो 11 वर्षों में बनाया है। उससे उत्तर प्रदेश के अंदर इस बात को महसूस करते हैं, कि करोड़ों किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जुड़कर 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि पूरी दुनिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है। पहलगाम के आतंकियों को मिट्टी में मिला करके, दुश्मन के घर में घुसकर उनका खात्मा करने का साहस ये नया भारत रखता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री मोदी का काशी की धरती पर आगमन हुआ है।

'दिव्यांगजन' प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया शब्द है

सीएम योगी ने कहा कि इस बार फिर से 2200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उपहार अपनी काशी को देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आगमन काशी में हुआ है। यह परियोजनाएं शिक्षा के लिए भी हैं। दिव्यांगजन प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया शब्द है, एक संबोधन है। जीवन में उन्हें आगे बढ़ाने के लिए उपकरण वितरण का कार्यक्रम आज हो रहा है। आज हमारा दिव्यांगजन भी इस बात को महसूस करता है।

140 करोड़ भारतवासियों को नया गौरव मिला

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में दुनिया के चार दर्जन से अधिक देशों ने पीएम को सर्वोच्च नागरिक का सम्मान प्रेषित किया है। पीएम मोदी के लोक और विश्व कल्याण के लिए दूरदर्शिता का लोहा पूरी दुनिया मानती है। 140 करोड़ भारतवासियों को नया गौरव मिला है।

'आंबेडकर का सामाजिक-आर्थिक समानता का दर्शन करेगा भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन'

नागपुर। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को छात्रों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर का सामाजिक-आर्थिक समानता और न्याय का दर्शन भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा। नागपुर के डॉ. आंबेडकर कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

सीजेआई गवई ने कहा कि उन्होंने जीवन भर सामाजिक-आर्थिक न्याय की विचारधारा को आत्मसात करने का प्रयास किया है। महिलाओं की प्रगति और विकास समाज की प्रगति को मापने का एक पैमाना है। यह देखकर खुशी हो रही है कि डॉ. आंबेडकर कॉलेज की छात्राओं ने मानदंड पूरे कर लिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि महिला सशक्तीकरण डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि है और उनकी विचारधारा का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। डॉ. आंबेडकर हमेशा कहते थे कि एक प्रतिष्ठित और महान व्यक्ति के बीच अंतर होता है। एक प्रतिष्ठित व्यक्ति वह होता है जो व्यक्तिगत रूप से सफल होता है, लेकिन समाज और देश के कल्याण के लिए काम करता है।

सीजेआई ने कहा कि अपने माता-पिता के अलावा वह डॉ. आंबेडकर की सामाजिक-आर्थिक समानता, न्याय और भारतीय संविधान की विचारधारा के कारण ही मुख्य न्यायाधीश बने हैं। यदि आप सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो डॉ. आंबेडकर की विचारधारा और भारतीय संविधान आपकी मदद करेंगे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी डॉ. आंबेडकर कॉलेज को बधाई दी। उन्होंने संस्थान के विकास में बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय आरएस गवई और तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के योगदान को सराहा।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में एक आतंकी ढेर, 2-3 घिरे; रातभर से चल रहा ऑपरेशन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया है और 2-3 आतंकियों को घेर लिया है। कुलगाम के अखल जंगल में सुबह से ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी जारी है। एक अधिकारी ने कहा कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद बीती रात से ही सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू की और मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया।

भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स ने बताया, कुलगाम के अखल क्षेत्र में आतंकियों से संपर्क स्थापित हो गया है। रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही। सतर्क सैनिकों ने संतुलित गोलीबारी की और संपर्क बनाए रखते हुए घेराबंदी कड़ी कर दी। सुरक्षाबलों ने अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया है।

'दिव्यांगों के अधिकारों को लेकर जागरूकता और संवेदनशीलता की जरूरत', जस्टिस मनमोहन की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन ने शनिवार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को लेकर समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। न्यायमूर्ति मनमोहन 'न्यायिक दृष्टिकोण और वकालत के सीमांत क्षेत्रों में - दिव्यांग अधिकार और उससे आगे' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। इस सम्मेलन का आयोजन जस्टिस सुनंदा भंडारे फाउंडेशन ने क्यूएबल के सहयोग से किया।

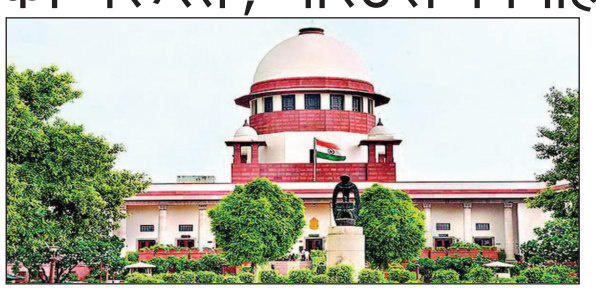

'जब समाज समझेगा, तो अदालतें भी बेहतर समझेंगी'

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि अदालतें दिव्यांगों के अधिकारों से जुड़े मामलों में फैसले देती रही हैं और आगे भी देती रहेंगी, लेकिन यह जिम्मेदारी केवल न्यायपालिका की नहीं है, बल्कि राज्य के अन्य विभागों को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा, 'जरूरत है कि समाज में जागरूकता फैलाई जाए, ताकि लोग कानून और दिव्यांगों के अधिकारों को समझें। जब समाज समझेगा, तो अदालतें भी बेहतर समझेंगी और फैसलों का पालन भी बेहतर होगा।'

'हर फैसले की निगरानी करना व्यवहारिक नहीं'

न्यायमूर्ति ने यह भी स्पष्ट किया कि अदालतों की सीमाएं हैं, क्योंकि हर दिन बहुत सारे मामलों की सुनवाई होती है। इसलिए हर फैसले की निगरानी करना व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका को यह समझना होगा कि दिव्यांगों के अधिकार 'कोई दया या दान नहीं है, बल्कि यह उनका हक है।' उन्होंने कहा- जब तक सभी पक्ष- न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और समाज- एक साथ नहीं मिलकर काम करेंगे, तब तक बदलाव संभव नहीं है।

समाज में सहानुभूति की कमी है- जस्टिस मनमोहन

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, 'अगर हम सोचें कि केवल न्यायपालिका ही देश की सभी समस्याएं हल करेगी, तो यह भ्रम है। समाज में सहानुभूति की कमी है और जब तक इसे नहीं बदला जाएगा, तब तक वास्तविक बदलाव नहीं आएगा।'

प्रज्वल रेवन्ना की कोर्ट से गुहार, बोले- राजनीति में तेजी से बढ़ना मेरी सबसे बड़ी गलती

बेंगलुरु, एजेंसी। दुष्कर्म के मामले दोषी पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कोर्ट से गुहार लगाई है। कोर्ट के फैसले से पहले कम सजा की मांग करते हुए प्रज्वल रेवन्ना ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। राजनीति में तेजी से बढ़ना मेरी सबसे बड़ी गलती थी। बंगलूरू की विशेष अदालत 34 वर्षीय प्रज्वल को उसके खिलाफ दर्ज चार यौन शोषण और दुष्कर्म के मामलों में से एक में दोषी ठहराते हुए सजा एलान करने वाली है।

कोर्ट से सजा कम करने की मांग करते हुए प्रज्वल रो पड़े। उन्होंने कहा कि वह बीई मैकेनिकल स्नातक हैं और हमेशा मेरिट से पास हुए हैं। वे कहते हैं कि मैंने कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया है, लेकिन कोई भी महिला स्वेच्छा से शिकायत करने के लिए सामने नहीं आई है। वे पिछले साल लोकसभा चुनाव से छह दिन पहले आई थीं। अभियोजन पक्ष उन्हें जानबूझकर लाया और उनसे शिकायत दर्ज कराई।

रेवन्ना ने बताया कि पीड़िता ने कथित दुष्कर्म के बारे में अपने पति या रिश्तेदारों सहित किसी से शिकायत नहीं की थी, लेकिन जब कुछ वीडियो प्रसारित किए गए तो उसने आकर शिकायत दर्ज कराई। प्रज्वल ने कहा कि मेरा एक परिवार है। मैंने छह महीने से अपने माता-पिता को नहीं देखा है। मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि कृपया मुझे कम सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन में एकमात्र गलती यह की है कि मैं राजनीति में तेजी से आगे बढ़ा।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने ठहराया दोषी

एमपीएमएलए विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने शुक्रवार को 34 वर्षीय प्रज्वल को उसके खिलाफ दर्ज चार यौन शोषण और बलात्कार के मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष के वकीलों ने सजा सुनाए जाने से पहले सुनवाई के दौरान प्रज्वल रेवन्ना के लिए आजीवन कारावास की मांग की।

कपिल मिश्रा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में पूरक आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में एक अतिरिक्त पूरक आरोपपत्र दाखिल किया।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) वैभव चौरसिया ने पूरक आरोपपत्र को रिकॉर्ड में ले लिया। आरोपपत्र की प्रति अभियुक्तों के वकील को सौंप दी गई है। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अगस्त को होगी।

यह मामला आरोप-निर्धारण पर बहस के चरण में है। पिछली सुनवाई में, दिल्ली पुलिस ने अतिरिक्त पूरक आरोपपत्र के साथ एक्स से प्राप्त जवाब दाखिल किया था।अदालत को सूचित किया गया कि एक्स पोस्ट से संबंधित जांच पूरी हो गई है।27 मई को, अदालत ने मिश्रा द्वारा कथित तौर पर पोस्ट किए गए एक ट्वीट से संबंधित मामले में अपर्याप्त जांच के लिए दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई थी।

7 मार्च को, सत्र अदालत ने मिश्रा द्वारा उन्हें जारी किए गए समन के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने निचली अदालत के संज्ञान और समन आदेश को चुनौती दी थी। अब उच्च न्यायालय में एक अपील लंबित है।निचली अदालत ने 2020 में आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था।

कपिल मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने जनवरी 2020 में एक बयान दिया था जब आदर्श आचार संहिता लागू थी।अदालत ने पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए कहा था, पुनर्विचारक ने अपने कथित बयानों में पाकिस्तान शब्द का इस्तेमाल बहुत ही कुशलता से किया है ताकि नफ़रत फैलाई जा सके, चुनाव प्रचार में होने वाले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की परवाह न करते हुए, केवल वोट हासिल करने के लिए।

पहला बड़ा अपराध और सीधा एनकाउंटर...पुलिस मुठभेड़ में ढेर हुआ नीरज ड्राइवर था, घरवालों को नहीं हो रहा यकीन

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा हाईवे पर सराफा व्यापारी के बेटों का अपहरण कर डाका डालने वाले बदमाश क्रिकेट के ऑनलाइन सट्टे से कर्ज में डूब गए थे। इसके बाद ही उन्होंने डकैती की योजना बनाई थी। मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश पदम सिंह ने पुलिस की पूछताछ में इसका खुलासा किया है। वहीं, इस पूरी डकैती की नींव आगरा सराफा कमेटी के अध्यक्ष बृजमोहन रैपुरिया के चालक रोहित की मुखबिरी से रखी गई थी।

डकैती में शामिल छह बदमाशों में से नीरज मारा जा चुका है और घायल पदम सिंह का पुलिस निगरानी में उपचार चल रहा है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पदम ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वह और उसके साथी क्रिकेट पर ऑनलाइन सट्टा लगाते थे। हारने के चलते धीरे-धीरे उन पर कर्ज चढ़ने लगा था। इसी दौरान उनकी मुलाकात आगरा सराफा कमेटी के अध्यक्ष बृजमोहन रैपुरिया के चालक रोहित से हुई। रोहित के साथ मिलकर ही उन्होंने डकैती की योजना बनाई थी। रोहित ने ही सराफा व्यापारी की मुखबिरी की थी।

सीसीटीवी फुटेज से यह तय हो गया कि बदमाश आगरा की तरफ से आए थे और आगरा की तरफ ही वापस गए हैं। इससे यह साफ हो गया कि बदमाश आगरा क्षेत्र के ही हैं। इसके बाद सीसीटीवी में दिखी बुलेरो कार से पुलिस टीम बदमाशों का पता लगा चुकी थी। इसी दौरान बृहस्पतिवार रात को दो बदमाशों से उनकी मुठभेड़ हो गई। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट के अनुसार मुठभेड़ में मारे गए बदमाश नीरज पर तीन साल पहले आगरा के सैंया थाने में मारपीट का एक मुकदमा दर्ज हुआ था। वहीं घायल बदमाश पदम सिंह पर कोई मुकदमा नहीं है। ऐसे में साफ है कि उनका कोई पुराना आपराधिक इतिहास नहीं था।

बृजमोहन रैपुरिया से चांदी खरीदते हैं सराफा व्यापारी हरिओम सोनी

पीड़ित व्यापारी हरिओम सोनी ने बताया है कि आगरा सराफा कमेटी के अध्यक्ष बृजमोहन रैपुरिया का चांदी का कारोबार है। वह चांदी के बड़े व्यापारी हैं। उनके यहां से वह प्रत्येक सप्ताह दो से तीन बार चांदी लाते हैं। वारदात के दिन भी उन्हीं के यहां से चांदी खरीदी गई थी। बृजमोहन रैपुरिया का चालक आरोपी रोहित भी उस समय वहां मौजूद था। इधर, पुलिस पूछताछ में आरोपी पदम ने बताया कि योजना के तहत उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद वह आगरा के तरफ भाग गए, लेकिन चांदी उन्होंने एक गुप्त स्थान पर रखी थी।

गंगा स्नान के बहाने मांगकर लाए थे बोलेरो कार

डकैती में प्रयुक्त बोलेरो कार बदमाशों की नहीं थी। वे सैंया क्षेत्र के ही रहने वाले राजकुमार नाम के एक जानकार व्यक्ति से बोलेरो कार मांगकर लाए थे। उन्होंने कार मालिक को बताया था कि वे गंगा स्नान करने जा रहे हैं। यही सुनकर राजकुमार ने भी उन्हें अपनी कार दे दी थी। उन्हें क्या पता था कि वे इसका प्रयोग डकैती के लिए करने जा रहे हैं।

व्यापारी ने दिया पुलिस को धन्यवाद

पीड़ित व्यापारी हरिओम सोनी पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नजर आए। शुक्रवार को डकैतों से मुठभेड़ के बाद वे फरह थाने पहुंचे। उन्होंने एसएसपी श्लोक कुमार समेत पूरी टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जिस सतर्कता से कार्रवाई की है, उसके लिए वे पुलिस को धन्यवाद देते हैं।

30 लाख की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सुलतानपुर। बल्दीराय थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 276 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर बल्दीराय थाना क्षेत्र में नशा तस्करों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि हैधना खुर्द नहर के पास दो युवक नशीले पदार्थ के साथ मौजूद हैं। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों को मौके से दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शत्रुघ्न सिंह पुत्र शेर बहादुर सिंह निवासी हैधना खुर्द एवं मुकेश दुबे पुत्र झब्बर दुबे निवासी ऊपरी पारा मजरा बिही निदुरा के रूप में हुई है।

पद अलंकरण समारोह का हुआ भव्य आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। करौंदिया, विवेकनगर स्थित कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड एजुकेशन में पद अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के.एन.आई.एम.टी.फरीदीपुर फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डॉ. महेश प्रसाद, के.एन.आई.सी.ई. लालडिग्गी, सिविल लाइन के प्रधानाचार्य मृदुल कुमार सिंह तथा के.एन.आई.सी.ई. करौंदिया के प्रधानाचार्य डॉ.एन. डी.सिंह ने माँ सरस्वती तथा बाबू के.एन.सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके अलंकरण समारोह का शुभारंभ किया। तत्पश्चात स्कूल क्वायर की छात्राएं छवि, आराध्या, रितवी, हिमांशी, रिद्धि, प्रतीक्षा, आर्या चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय गीत तथा स्कूल प्रेयर वी शैल ओवरकम..... गीत करायीं। कक्षा-3 का छात्र आदृत्य सिंह ने कविता सुनाया। कक्षा-5 की छात्रा रितवी पराशर ने आज का सुविचार कहा।कक्षा-7 का छात्र आदित्य सिंह ने मुख्य समाचार पढ़ा। कक्षा-9 की छात्रा यशस्वी पांडेय ने नेतृत्व तथा उसके महत्व पर संक्षिप्त जानकारी दी। कक्षा-8 की छात्राएं मलक अबरार, आराध्या सिंह, आरुषी मिश्रा, अलंकृति दुबे, सिद्धि रानी, धृति मिश्रा, फिजा खान, उत्कर्षिनी, आशी पांडेय, अग्रिनी त्रिपाठी, कनिष्का तथा वैष्णवी सोनी ने देशभक्ति गीत ताकत वतन की हमसे है...गाकर सबको ताली बजाने को मजबूर कर दिया। इसके बाद स्कूल अप्वाइंटमेंट्स तथा हाउस अप्वाइंटमेंट्स के छात्र-छात्राओं ने परेड किया तथा प्रधानाचार्य ने उन सभी को शपथ ग्रहण कराया। मुख्य अतिथि महेश प्रसाद तथा मृदुल कुमार सिंह ने हेड ब्वाय को बैज लगाकर सम्मानित किया। कक्षा-12 का छात्र युवराज श्रीवास्तव हेड ब्वाय, कक्षा-12 की छात्रा जान्हवी सिंह हेड गर्ल, कक्षा-12 का छात्र पीयूष अग्रहरि तथा कक्षा-12 की छात्रा आराध्या बरनवाल (डिसीप्लीन इंचार्ज), कक्षा-11 का छात्र शिशिर आनंद तथा छात्रा पलक यादव (स्पोर्ट्स कैप्टन), कक्षा -11 का छात्र मोहम्मद शाहिल तथा छात्रा दिव्या तिवारी (वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन) कक्षा-11की छात्रा साक्षी भारती तथा दिव्यलता (कल्चरल हेड) बनीं। चैरिटी हाउस के अंश सिंह, आर्या गर्गवंशी, अविरल सक्सेना, दिशा सिंह तथा होप हाउस के शिखर तिवारी, नन्दिनी सिंह, मानस तिवारी, संस्कृति दुबे तथा जॉय हाउस के विकास कुमार, आराध्या पाण्डेय, अभिषेक द्विवेदी, अनुष्का सिंह और पीस हाउस के मानस तिवारी,आकांक्षा विश्वकर्मा, दिव्यांश कुमार सिंह,सुनैना श्रीवास्तव को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। प्ले ग्रुप से कक्षा 12 तक के सभी मॉनिटर्स तथा कॉउन्सिल मेंबर्स को कक्षा अध्यापकों ने बैज लगाकर

बरेली में युवती को चोर समझकर पीटा, हाथ जोड़कर बोली– प्लीज पहले पुलिस को बुलाओ...; भीड़ ने एक न सुनी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला बारादरी में शुक्रवार रात भीड़ ने एक युवती की पिटाई कर दी। युवती ने लोगों से हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगी। कहा कि वह नेपाल की निवासी है और नोएडा से नौकरी के सिलसिले में बरेली आई है। यहां एक परिचित युवक रात में उसे अपने घर ले आया। युवक के साथ उसका फुफेरा भाई भी घर में मौजूद था।

इसी दौरान किसी की कॉल आने पर युवती मोबाइल फोन लेकर छत पर चली गई, तभी ड्रोन व चोर की अफवाह में गश्त लगाते घूम रहे मोहल्ले के लोगों ने चोर-चोर का शोर मचा दिया। गुस्साईं भीड़ ने युवती को पकड़ लिया। उसे नीचे ले आए। चोटी पकड़कर युवती को पीटना शुरू कर दिया। वहां मौजूद किसी शख्स ने उसका वीडियो भी बना लिया।

युवती हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगती है। कहता है कि प्लीज पहले पुलिस को बुलाओ, लेकिन भीड़ ने उसकी एक न सुनी। वीडियो में एक युवक उसकी चोटी पकड़े दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है।

किला थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उसने तहरीर दी है। मामले में रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। वीडियो देखकर आरोपियों की पहचान की जाएगी।

भोजीपुरा इलाके में पिटाई से व्यक्ति की मौत

जिले में ड्रोन और चोरों को लेकर उड़ी अफवाह कम होने का नाम नहीं ले रही है। कस्बों-गांवों में भीड़ अक्सर रात में लोगों को पकड़कर पीट रही है। बृहस्पतिवार को भोजीपुरा में भीड़ के हमले में जिस व्यक्ति की मौत हुई, उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

युवक को चोर समझकर खंभे से बांधकर पीटा

हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव उदरनपुर में बृहस्पतिवार रात ससुराल जा रहे युवक को ग्रामीणों ने चोर-चोर चिल्लाकर पकड़ लिया था। उसे खंभे से बांधकर जमकर पिटाई लगाई और पुलिस को सौंप दिया। कुछ खुराफातियों ने पिटाई के वीडियो संग इसकी रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। इस मामले में सात नामजद समेत 15-20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है, पांच आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

ड्रोन की अफवाह फैलाने का आरोपी गिरफ्तार

रिठौरा कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती में ड्रोन उड़ाने की अफवाह फैलाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष हाफिजगंज पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में रिठौरा चौकी इंचार्ज वैभव गुप्ता, दीवान ज्ञानेश कुमार ने अभियान चलाया। इसके तहत पुलिस की टीम ने सोशल मीडिया पर ड्रोन उड़ाने की अफवाह फैलाने के आरोप में नई बस्ती निवासी युवक शाहिद रजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बीजेपी उपाध्यक्ष की भूमि कब्जा कर रहे भू माफिया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। सिविल कोर्ट और एसडीएम सदर के स्थगन आदेश के बावजूद कोतवाली नगर पुलिस निर्माण कार्य रुकवाने को तैयार नहीं है। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मारूफ खान पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे है और न्याय की गुहार लगा रहे है।

मामला शहर से सटे कस्बा सुल्तानपुर स्थित भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मारूफ खान की जमीन से जुड़ा हुआ है। सिविल जज प्रवर खंड कक्ष संख्या 15 की अदालत से साहिला बानो बनाम नासिर मुकदमे में न्यायाधीश संदीप कुमार की तरफ से स्थगन आदेश जारी किया गया। पुलिस अधीक्षक को स्थगन आदेश अनुपालन का आदेश दिया गया है। स्थगन का अनुपालन नहीं होने पर न्यायालय ने इसे अवमानना की श्रेणी में रखे जाने की बात कही है। एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने भी स्थगन आदेश करने का आदेश शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान दिया है। आरोप के मुताबिक नगर कोतवाली पुलिस ने पूरे मामले का सौदा कर लिया है। प्रार्थना पत्र लेकरपहुंचे पीड़ति मारूफ खान की मां पत्नी, भाभी और बहन को नगर कोतवाली में बैठकर खाकी अपने दम पर निर्माण कार्य करवा रही है। भाजपा नेता मारूफ खान कहते हैं कि कोतवाली नगर पुलिस पार्टी बनकर काम कर रही है। स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य करवा रही है। 'मामले में नगर कोतवाल धीरज कुमार का कहना है कि स्थगनादेश रोकने के लिए राजस्व विभाग जिम्मेदार महकमा है। एसडीएम सदर स्तर से इस पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

पहले दोस्त को मारी गोली...फिर तमंचे से खुद की बाजू पर भी किया फायर

एक अन्य किसान भी हो गया घायल

आर्यावर्त क्रांति

मथुरा। मथुरा के कोतवाली छाता क्षेत्र के गांव बिडावली के खेतों में लेनदेन को लेकर एक युवक ने अपने दोस्त को गोली मार दी। पास ही खेत में काम कर रहे एक किसान को भी बीच बचाव करने पर आरोपी ने गोली मार दी। इसके बाद मौके से भाग गया और कोसीकलां जाकर अपनी बाजू में भी गोली मार ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

दरअसल छाता कस्बे में सिंगू थोक में रहने वाले रवि और सुनील दोनों दोस्त हैं। रवि ने शुक्रवार को सुनील से 4 लाख रुपये उधार लिए थे। शनिवार को सुबह 11 बजे के करीब रवि सुनील को यूकेलिप्टस के पेड़ों का सौदा करने की बात कहकर अपने साथ ले गया। गांव बिडावली के खेतों पर जाकर दोनों एक माइनर की पटरी पर बैठे थे, तभी मौका देख रवि ने सुनील को गोली मार दी। सुनील माइनर में कूद गया और चिल्लाने लगा। खेत में काम कर रहे किसान गोपाल पुत्र उदय सिंह निवासी बरौली ने सुनील को बचाने की कोशिश की तो रवि ने दो गोली गोपाल के सिर में मार दीं।

दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और रवि मौके से फरार हो गया। घटना के 2 घंटे बाद पता लगा कि कोसीकलां के कोल्लम माल पेट्रोल पंप के समीप रवि ने भी अपनी बाजू में गोली मार ली। पुलिस ने मौके का जायजा लिया और तीनों को केडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

साहू राठौर प्रतिभा सम्मान समारोह मे राज्य मंत्री प्रतिभाओं को करेंगे सम्मानित

सुलतानपुर। साहू राठौर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 3 अगस्त को किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे राकेश कुमार राठौर 'गुरू" राज्य मंत्री नगर विकास उ.प्र. सरकार रहेंगे। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के बैनर तले साहू प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 3 अगस्त दिन रविवार को नगर के आदर्श मैरिज प्वांइट, ओम नगर, सुलतानपुर मे किया गया है। मुख्य अतिथि राकेश कुमार राठौर 'गुरू" राज्यमंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग, उ०प्र० सरकार राकेश कुमार "राठौर गुरू जी" प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इण्टर बोर्ड परीक्षा में में 75 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावियों को सम्मानित किया जायेगा।

अहंकार के कारण ही व्यक्ति का पतन होता है : श्री रविशंकर जी महराज

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। श्री महापुराण कथा को लेकर गोण्डा नगर में श्री पार्थिव पूजन सेवा समिति द्वारा आयोजित पंचवटी श्री सीताराम आश्रम रिसिया शाखा गोण्डा के तत्वाधान में सवा लाख पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा बड़गांव पुलिस चौकी के पास स्थित शारदा मैरिज लान में आयोजित चौथे दिन शनिवार को प्रातः6 बजे से पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक का पूजन प्रारंभ हुआ। जिसमें पार्थिव शिवलिंग पूजन रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। जिसमें नारियल के जल से अभिषेक किया गया, जिससे नेत्र रोग मुक्त माना जाता है। पार्थिव पूजन के समय तमाम भक्तगण मौजूद रहे। शुक्रवार को सांयकाल तृतीय दिवस की कथा में श्री रविशंकर जी महाराज गुरु भाई जी ने शिव कथा एवं दिव्य कथाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यदि भगवान की कृपा हो तो चोर भी कुबेर जैसे पद को प्राप्त कर सकता है। साथ ही साथ प्रजापति दक्ष की कथा सुनाते हुए बताया की अहंकार के कारण व्यक्ति का पतन हो जाता है। तदु परांत शिव विवाह की कथा का वर्णन सुनकर सभी श्रोतागण मंत्र मुग्ध हो गए। भगवान शिव का बारात रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी धर्मशाला से निकलकर कथा स्थल तक पहुंचा । भगवान भोले की बारात में श्रोतागण खूब झूमे।कथा स्थल पर उज्जैन से आईं महाकाल की विराट झांकी सजी हुई थीं। कथा में मुख्य यजमान आरती सोनी एवं संतोष सोनी रहे। कथा के दौरान बीच-बीच में भगवान भोलेनाथ की " सज रहे भोले बाबा निराले दुल्हे में,मतवाले दुल्हे में" भजनों की अमृत वर्षा हुई। कथा में साज सज्जा और कोरस पर शिवा पंडित और राघव पंडित ग्रुप रहा। कथा समाप्ति पर आरती हुई उसके बाद प्रसाद वितरण होगा। कथा के दौरान दौरान मंडलीय प्रभारी संदीप मेहरोत्रा, शिव शंकर सोनी,रवि सोनी,अमित सोनी,दीपक मराठा,उमेश शुक्ला,के डी मिश्रा,विशाल बंसल,सूर्य प्रकाश सोनी ,देवेंद्र सोनी,आयूष सोनी ,रमेश गुप्ता, रविंद्र कुमार सिंह, राकेश गुप्ता,राम शंकर कसौधन,राजेश गुप्ता, रंजना सोनी सहित तमाम श्रोतागण मौजूद रहे।

पति ने प्रेमिका के लिए मार डाला; मुश्किल में दो परिवार के पांच बच्चे, सलाखों के पीछे बेटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में हुए अमरवती हत्याकांड में पति ओमसरन के साथ ही उसकी प्रेमिका ब्यूटीशियन मन्नत को शुक्रवार को जिला जेल भेज दिया गया। मन्नत के साथ उसकी ढाई साल की मासूम बेटी ख्वाहिश भी सलाखों के पीछे पहुंच गई है।

बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र के व्यौली गांव निवासी अमरवती की हत्या से दो परिवार और पांच बच्चे प्रभावित हुए हैं। ओमसरन के जेल जाने और उसकी पत्नी अमरवती की हत्या के बाद उनके दोनों बच्चों को परेशानी झेलनी होगी।

उसकी बेटी (19) और बेटा (15) साल का है। मन्नत के परिवार के साथ ज्यादा समस्या है। वह ढाई साल की बच्ची के साथ जेल पहुंची है। जाहिर है कि मन्नत की कारस्तानी की सजा उसकी अबोध बच्ची को झेलनी पड़ेगी। फिलहाल, उसका वक्त जेल की चहारदीवारी के भीतर ही गुजरेगा।

वहीं, मन्नत के दो बच्चे अपने मामा के घर पल रहे हैं। पति आकाश से अभी मन्नत का तलाक नहीं हुआ है। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि मन्नत के पहले पति को बुलाकर बात की जाएगी। प्रयास है कि मन्नत की गलती की वजह से उसके छोटे बच्चों का भविष्य खराब न हो।

प्रेमिका से शादी के लिए पत्नी की हत्या

बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र के ब्यौली गांव निवासी ओमसरन मौर्य ने बुधवार रात आंवला के गांव मोतीपुरा स्थित ससुराल से बाइक से घर लौटते समय उसैता गांव के पास पत्नी अमरवती (35) की हत्या कर दी। उसने वारदात को बदमाशों का हमला और लूट दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने 15 घंटों में ही सच्चाई से पर्दा उठा दिया। बरेली निवासी प्रेमिका मन्नत से शादी के इरादे से आरोपी ने पत्नी की हत्या की।

ओमसरन मौर्य ने रात 12:15 बजे साले भगवान दास व दोस्त अनिल यादव को कॉल कर आंवला-वजीरगंज रोड पर बुलाया। कहा कि वह पत्नी अमरवती को लेकर ससुराल से घर जा रहे थे। उसैता गांव के पास छह-सात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। वे लूटपाट करने लगे। विरोध पर बदमाशों ने अमरवती की हत्या कर दी।

आकाश इंस्टीट्यूट ने भव्य तरीके से किया ऐंथे 2025 लॉन्च

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। शहर के सिविल लाइंस डीएम आवास के निकट स्थित आकाश इंस्टीट्यूट ने इस वर्ष देश का सबसे बड़ा स्कॉलर शिप एग्जाम लॉन्च किया। इस एग्जाम के द्वारा डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना देखने वाले विद्यार्थी स्कॉलरशिप और नगद पुरस्कार के माध्यम से अपनी फीस बहुत कम कर सकते है ।

''क्या करना होगा विद्यार्थियों को''

डॉक्टर इंजीनियर बनने की तैयारी करने वाले विद्यार्थी को 1 अगस्त से ऐंथे 2025 का रजिस्ट्रेशन करना होगा । जिसमें कक्षा 7 से ले कर 12 तक के बच्चे प्रतिभाग कर सकते है। ये परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित होगी, जिसके लिए विद्यार्थी को आकाश इंस्टीट्यूट सुल्तानपुर में विजिट कर पूरी जानकारी प्राप्त हो सकती है।

''क्या मिलेगा बच्चों को''

परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को आल इंडिया स्तर की रैंक प्राप्त होती है जिससे वे अपनी क्षमता का आकलन कर सकते है और साथ ही साथ आकाश इंस्टीट्यूट के साथ जुड़ने पर उनको स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है जिससे वो अपनी फीस कम कर सकते है।

''क्या कहता है संस्थान''

संस्थान के मैनेजर अमरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना देखने वाले बच्चों के लिए वर्ष 2010 में सबसे पहले आकाश इंस्टीट्यूट ने स्कॉलरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया था और तब से ले कर आज तक लगातार 16 वर्षों से विद्यार्थी इसका लाभ ले रहे है और अच्छी बात ये है कि टॉप 100 में शामिल विद्यार्थी को नगद पुरस्कार के साथ साथ आकाश पूरी पढ़ाई फ्री में देता है। और एडमिशन ऑफिसर विपुल शर्मा ने बताया कि ये सुल्तानपुर के बच्चों के लिए एक बहुत अच्छी पहल है जिससे उनको नेशनल लेवल पर खुद को एक्सप्लोर करने का मौका मिल रहा है।

बाढ़ राहत के लिए सीएम ने बनाई 11 मंत्रियों की टीम, कार्यों की निगरानी के साथ करेंगे जनता की सहायता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावी तरीके से राहत एवं बचाव कार्यों के लिए मंत्रियों की 'टीम-11' का गठन किया है। यह टीम बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में राहत कार्यों की निगरानी करेगी। साथ ही हर प्रभावित जनता तक सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करेगी।

सीएम ने टीम-11 में शामिल मंत्रियों को संवेदनशीलता, तत्परता और पारदर्शिता से कार्य करने को कहा है। वहीं, संबंधित जिलों के डीएम, एसपी, सीएमओ और समेत अन्य अधिकारियों को 24 घंटे फील्ड में रहकर बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों पर नजर रखने के भी निर्देश दिए हैं।

सीएम ने अफसरों को चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि बाढ़ प्रभावित सभी नागरिकों की सुरक्षा के साथ ही उन्हें भोजन, आवास और स्वास्थ्य की सुविधा मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता और जिम्मेदारी है। इसलिए इन कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम ने सभी मंत्रियों को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में तत्काल पहुंचकर दौरा करने, राहत शिविरों का निरीक्षण करने और प्रभावित परिवारों से मिलकर राहत कार्यों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी, जलभराव वाले गांवों से शीघ्र निकासी एवं राहत शिविरों में भोजन, दवा, शौचालय, साफ-सफाई तथा महिलाओं व बच्चों को जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा है।

गुणवत्तायुक्त हो राहत सामग्री

मुख्यमंत्री ने समय से प्रभावितों तक गुणवत्तायुक्त राहत सामग्री और भोजन के पैकेट वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ से फसलों के बर्बाद होने और नदी के कटान से हुए नुकसान व नष्ट हुए गृहस्थी के सामान वाले परिवारों को 24 घंटे मे सहायता राशि जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा सीए ने जलभराव वाले गांवों में से पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व उनके चारा की व्यवस्था करने, अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम और एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सीएम ने राहत आयुक्त द्वारा जारी अर्ली वार्निंग अलर्ट को संबंधित जिलों में जनता तक तत्काल पहुंचाने और आपदा प्रबंधन के प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराने को कहा है। सीएम ने किसानों की फसलों का त्वरित सर्वेक्षण कराने, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी की बाढ़ यूनिटों को मुस्तैद रखने को कहा है।

इन मंत्रियों को बनाया प्रभारी

टीम-11 में नंद गोपाल गुप्ता नंदी को प्रयागराज, मिर्जापुर व बांदा, स्वतंत्रदेव सिंह एवं संजय गंगवार को जालौन, स्वतंत्रदेव सिंह एवं प्रतिभा शुक्ला को औरैया, रामकेश निषाद को हमीरपुर, जयवीर सिंह को आगरा, सुरेश खन्ना को वाराणसी, संजय निषाद को कानपुर देहात, दया शंकर मिश्रा दयालु को बलिया, धर्मवीर प्रजापति को इटावा और अजीत पाल को फतेहपुर का प्रभारी बनाया गया है।

'भाजपा की स्कूल बंद कराने की नीति पीडीए समाज के खिलाफ साजिश'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समाज के खिलाफ सुनियोजित साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्कूलों को बंद कर सरकार पीडीए समाज को शिक्षा से वंचित करना चाहती है, ताकि वे जागरूक होकर भाजपा का विरोध न कर सकें और न ही चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग कर पाएं।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की यह नीति न केवल शैक्षिक अवसरों को बाधित कर रही है, बल्कि चुनावी लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में भी एक षड्यंत्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों के बंद होने से न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, बल्कि उन विद्यालयों में स्थापित होने वाले बूथों की भी समाप्ति हो रही है, जिससे पीडीए समाज को वोट देने से रोका जा सके। उन्होंने दो टूक कहा, ₹भाजपा का यह सामाजिक, मानसिक और राजनीतिक षड्यंत्र समाजवादी पार्टी कभी सफल नहीं होने देगी।₹अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार की नीतियों में न तो शिक्षा की प्राथमिकता है, न ही रोजगार और न ही युवाओं का भविष्य सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। युवा बेरोजगार हैं, परीक्षाएं समय पर नहीं हो रहीं, और शिक्षक सड़कों पर आंदोलन करने को मजबूर हैं।उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि युवाओं से हर साल दो करोड़ नौकरियों का जो वादा किया गया था, वह झूठा साबित हुआ है। आज नौकरी के लिए परीक्षार्थी धरना दे रहे हैं, रोजगार की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार मौन है। शिक्षा विभाग में बड़ी संख्या में शिक्षक पद खाली पड़े हैं, पर सरकार स्कूलों की संख्या कम करके पद समाप्त करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य विभागों में भी भारी पद रिक्त हैं, लेकिन भाजपा सरकार युवाओं को आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम पर लगाकर आरक्षण समाप्त करने की साजिश कर रही है।पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन्वेस्टर समिट और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी जैसे कार्यक्रमों का केवल प्रचार हुआ है, लेकिन धरातल पर न तो कोई कंपनी आई, न ही नौकरियाँ मिलीं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ₹भाजपा जाएगी तभी नौकरी और रोजगार आएगा।₹अखिलेश यादव ने दोहराया कि समाजवादी पार्टी 'पीडीए पाठशाला' अभियान के माध्यम से शिक्षा के अधिकार की अलख जगाए रखेगी और पीड़ित समाज को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेगी।

चित्रगुप्त ट्रस्ट ने लखनऊ के मुख्य मार्गों से निकाली दिव्य कांवड यात्रा

» हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा वातावरण

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को हजरतगंज हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। मौका था चित्रगगुप्त मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा और रुद्राभिषेक का। जैसे ही गोमती तट से निकली चित्रगुप्त धाम से सुबह 9 बजे यात्रा शुरू हुई। चारो ओर हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

ट्रस्ट के अध्यक्ष बलदाऊ जी श्रीवास्तव ने बताया कि चित्रगगुप्त मंदिर ट्रस्ट द्वारा 1०1 लीटर गोमती के जल को लेकर निकली कांवड़ यात्रा यहां से लेकर चित्रगुप्त धाम से विश्वविद्यालय मार्ग, हनुमान मंदिर, निशातगंज पुल, सिकंदरबाग होते हुए जवाहर भवन पर जाकर समाप्त हुई। इसके बाद जवाहर भवन स्थित चित्रेश्वर महादेव मंदिर पर भव्य व दिव्य रुद्राभिषेक का आयोजन आचार्यों द्वारा किया गया। गोमती नदी से लाये गये 1०1 लीटर जल से रुद्राभिषेक किया गया और मानव समाज के कल्याण की प्रार्थना की गयी।

इस मौके पर बलदाऊ जी, दीपक श्रीवास्तव, प्रमिला श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी उमेश कुमार श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, दिनेश चंद्र खरे सुशील कुमार बच्चा, अशोक कुमार श्रीवास्तव,

कीर्ति श्रीवास्तव, अनिल, सुशील, अजय व दीप, सहित सैकड़ों पुरुषों एवं महिलाओं ने आदि गंगा गोमती से जल लेकर श्री चित्रगुप्त मंदिर जवाहर भवन स्थित श्री चित्रेश्वर महादेव पर जल अर्पित किया । तदुपरांत समस्त पूजा सामग्री के साथ 7 पुरोहित ने रुद्राभिषेक कराया। इस मौके पर ज्योतिष भविष्य वक्ता पूनम दीदी एवं समस्त कायस्थ समाज के लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तालकटोरा और मड़ियांव के दो कुख्यात अपराधी गुंडा घोषित कर लखनऊ से जिलाबदर

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक तत्वों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के न्यायालय ने थाना तालकटोरा और थाना मड़ियांव क्षेत्र के दो कुख्यात अपराधियों को उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के अंतर्गत गुंडा घोषित करते हुए लखनऊ की सीमा से निष्कासित (जिलाबदर) करने का आदेश पारित किया है।यह कार्यवाही न्यायालय में प्रस्तुत वाद संख्या 32(11)/2025 एवं 35(13)/2025 के तहत की गई। सुनवाई के दौरान विपक्षी पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत दलीलों का राज्य की ओर से संयुक्त निदेशक अभियोजन अवधेश कुमार सिंह ने पुरजोर विरोध करते हुए न्यायालय के समक्ष उनके आपराधिक इतिहास और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का विस्तार से उल्लेख किया। अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने यह निर्णय सुनाया।तालकटोरा क्षेत्र निवासी जयेश बाजपेई उर्फ गोलू, उम्र लगभग 30 वर्ष, पुत्र जागेश बाजपेई, जो ई-4052/54, सेक्टर 11, जाजीपुरम का निवासी है, के विरुद्ध थाना तालकटोरा में वर्ष 2024 में धारा 296/79 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत है। उसे तीन माह के लिए लखनऊ की सीमा से निष्कासित किया गया है।वहीं मड़ियांव क्षेत्र से संबंधित विनय कुमार सिंह उर्फ महेन्द्र सिंह, उम्र 40 वर्ष, पुत्र हर्ष बहादुर सिंह, निवासी 537ख/106, मौर्या टोला, फैजुल्लागंज, पर लूट, चोरी, लापरवाही से मौत, संपत्ति को क्षति पहुंचाने व साजिश रचने जैसे गंभीर अपराधों के सात आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

○ संक्षेप ○

गनेशपुर नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में समस्याओं के निस्तारण पर जोर

लखनऊ। शनिवार को गनेशपुर नगर पंचायत बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में शिविर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में बरसात को देखते हुये जल निकासी की व्यवस्था मजबूत करने, प्रकाश सुविधा, जलापूर्ति आदि पर विचार किया गया। बैठक में अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने सभासदों को बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्वीकृति मिल गई है, शीघ्र ही इसका निर्माण होगा। इसके साथ ही ओपेन जिम, पार्क का निर्माण कराया जायेगा। बच्चों के लिये चिल्डेन पार्क बनेगा। इसके साथ ही स्टडी पुस्तकालय का भी निर्माण होगा। अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि नगर पंचायत गनेशपुर का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता में है। नागरिकों से जो वायदे किये गये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जायेगा। बैठक में नगर पंचायत की आय बढाने हेतु तालाब नीलामी हेतु दर निर्धारण पर विचार किया गया।अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बिन्दूवार एजेन्डे के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। सभासदों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाने के पहल को सराहा। बैठक में मुख्य रूप से सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, शिवनरायन, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूक, सुमन, गणेश कुमार, दुर्गेश, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार के साथ ही मो. आरिफ और नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ के अलीगंज में अवैध हुक्का बार पर बड़ी कार्रवाई: 32 युवक गिरफ्तार, 25 हुक्के बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में पुलिस कमिश्नरेट की टीम ने एक बड़े अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ करते हुए 32 युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उस समय की गई जब पुलिस टीम गश्त और चेकिंग के दौरान "कोको आइकन कैफे सेक्टर बी" में अवैध रूप से चल रहे हुक्का बार की सूचना पर मौके पर पहुंची। यहां बिना लाइसेंस के नशीले फ्लेवर के साथ हुक्के परोसते हुए युवक रंगे हाथों पकड़े गए।पुलिस ने मौके से 25 हुक्के पाइप और फ्लेवर के साथ चालू हालत में बरामद किए। जब लाइसेंस या संचालन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, तो संचालकों द्वारा कोई भी वैध प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हुक्का पी रहे 32 युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, हुक्का बार के संचालक संदीप और अलीम पुलिस टीम के आने की भनक लगते ही मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।गिरफ्तार आरोपियों में कई छात्र, प्राइवेट कर्मचारी, दुकानदार और कुछ बेरोजगार युवक शामिल हैं। आरोपियों में लखनऊ, गोपालगंज (बिहार), देवरिया, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर और अन्य जनपदों के निवासी शामिल हैं। पकड़े गए युवकों की उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच है।पुलिस ने इस अवैध संचालन को लेकर मु0अ0सं0 166/2025 अंतर्गत धारा 4/25 तम्बाकू उत्पाद प्रतिषेध अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह हुक्का बार बिना किसी लाइसेंस के संचालित हो रहा था और ग्राहकों को नशीले फ्लेवर मिलाकर परोसे जा रहे थे, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं।गिरफ्तार युवकों ने पूछताछ में बताया कि संचालक उन्हें यह विश्वास दिलाते थे कि हुक्का बार कानूनी है और इसके संचालन की अनुमति है। इसी बहाने वे बेरोकटोक नशीले पदार्थों की खपत को बढ़ावा दे रहे थे।इस कार्रवाई में थाना अलीगंज के प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सोनकर के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने हिस्सा लिया। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।इस पूरे घटनाक्रम को अलीगंज क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नशाखोरी को रोकने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे इस प्रकार की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, जिससे युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से रोका जा सके।

रेलवे की नीलामी प्रक्रिया पर व्यापारियों का विरोध, संदीप बंसल के नेतृत्व में मंडल रेल प्रबंधक से मिले पदाधिकारी

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने निशातगंज क्षेत्र में रेलवे द्वारा पुनः भूखंड स्वामियों को नीलामी की नोटिस दिए जाने के विरोध में शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री संदीप बंसल ने किया।संदीप बंसल ने बैठक में स्पष्ट कहा कि इस मसले पर देश के रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह पहले ही अपनी सहमति जताते हुए नीलामी प्रक्रिया को स्थगित करने के निर्देश दे चुके हैं, इसके बावजूद विभागीय स्तर पर कुछ अधिकारी और कर्मचारी व्यापारियों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित बताया।बंसल ने मंडल रेल प्रबंधक से आग्रह किया कि रक्षा मंत्री की मंशा के अनुसार निशातगंज क्षेत्र में प्रस्तावित नीलामी को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए और व्यापारियों को अनावश्यक तनाव से मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अपने व्यवसाय के माध्यम से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में योगदान दे रहे व्यापारी वर्ग को इस प्रकार की कार्रवाई से मानसिक और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।जवाब में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उन्हें रक्षा मंत्री की ओर से निर्देश प्राप्त हो चुके हैं और रेलवे का प्रयास रहेगा कि व्यापारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विभाग व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आगे की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करेगा।इस प्रतिनिधिमंडल में लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम तथा निशातगंज महामंत्री विपिन अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे।अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि वह रक्षा मंत्री की स्पष्ट सहमति के आलोक में इस नीलामी प्रक्रिया को स्थायी रूप से निरस्त करे ताकि निशातगंज क्षेत्र के व्यापारी शांति और विश्वास के साथ अपने व्यापार को जारी रख सकें।

एक व्यक्ति व उसके साथी की नशे में धुत दबंगों की पिटाई

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति व उसके साथी की नशे में धुत दबंगो ने पिटाई कर दी।जिसकी शिकायत उसने स्थानीय पुलिस से की थी।लेकिन पीड़ति का आरोप है कि स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नही की गई तब उसने मामले की शिकायत सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज से की है। बक्कास के मजरा फतेहपुर के रहने वाले अरविंद कुमार के अनुसार 20 जुलाई को रात लगभग 08 बजे वह अपने मित्र लाला कुमार निवासी मिर्जापुर मजरा मस्तेमऊ के साथ बाइक से सब्जी लेने गया था।जहां बैठ कर दोनों आपस मे बातचीत कर रहे थे।तभी कुल्लीखेड़ा के रहने वाले दुर्गेश व रोहित शराब के नशे में धुत होकर आये और उसे गालियां देने लगे।जिसका पीड़ति ने विरोध किया तो आरोपित रोहित ने उसके सिर पर कांच की बोतल मार दी और जान से मारने की धमकी देने लगे।पीड़ति के मित्र लाला कुमार ने जब बीच बचाव करने की कोशिश की तो आरोपितों ने उसकी भी पिटाई कर दी।पीड़ति ने इसकी लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस से की थी।लेकिन पीड़ति का आरोप है कि दरोगा विनोद कुमार द्वारा बताया गया कि मैं जांच कर लूंगा तब बताऊंगा और मुकदमा दर्ज नहीं किया।जिसपर पीड़ति ने पूरे मामले की लिखित शिकायत सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज से की है।

बीबीएयू में ह्यूमन–वेटेरनरी ऑन्कोलॉजी और वन हेल्थ कॉन्फ्रेंस 2025 का सफल समापन

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में 'ह्यूमन-वेटेरनरी ऑन्कोलॉजी एंड वन हेल्थ कॉन्फ्रेंस 2025' का भव्य समापन हुआ। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बीबीएयू, इंडियन सोसाइटी फॉर वेटेरनरी सर्जरी (यूपी चैप्टर), बायोबैंक इंडिया फाउंडेशन (बीबीआईएफ) कैंसर केयर और वन हेल्थ इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। उन्होंने 'कैंसर केयर' विषय को एक गहन मानवीय संकट बताते हुए इसे "डेथ वारंट" की संज्ञा दी। कुलपति ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए चिकित्सा, अनुसंधान और जनजागरूकता का समन्वित प्रयास जरूरी है।कांफ्रेंस संयोजक प्रो. जी. सुनील बाबू (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) ने कैंसर पर पिछले वर्षों में किए गए शोधों, उनके प्रकारों, गंभीरता और उपचार पद्धतियों पर व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि किस तरह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ — आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग — कैंसर सहित अन्य गंभीर रोगों की रोकथाम और उपचार में सहायक बन सकती हैं।सम्मेलन में सीडीआरआई, आईआईटीआर, सीबीएमआर, लखनऊ विश्वविद्यालय और बीएचयू सहित देश के प्रमुख संस्थानों से आए विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र और विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंतर्गत कैंसर केयर रन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विजेताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही पोस्टर और ओरल प्रेजेंटेशन सत्र में शोधार्थियों ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए।बीबीआईएफ कैंसर केयर के निदेशक डॉ. बीरेंद्र कुमार यादव ने संगठन द्वारा चलाए जा रहे जनहितकारी अभियानों और स्वास्थ्य पहलुओं पर प्रकाश डाला।

लखनऊ में अवैध डेरियों के खिलाफ नगर निगम की सख्त कार्रवाई, 16 पशु जब्त

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बिगाड़ रही अवैध डेरियों पर लखनऊ नगर निगम ने शुक्रवार को बड़ा अभियान चलाया। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के जोन-6 अंतर्गत दुबग्गा रिंग रोड, शिवाजीपुरम, राजाजीपुरम और आलमनगर रोड क्षेत्रों में संचालित कई अवैध डेरी प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने कुल 13 भैंसें और 3 गाय जब्त कीं। ये सभी पशु पीजीआई स्थित कांजी हाउस में अस्थायी रूप से निरुद्ध किए गए हैं। पशुओं को केवल निर्धारित जुर्माना भरने के बाद ही छोड़ा जाएगा।यह कार्रवाई नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर, अपर नगर आयुक्त के आदेश और पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में की गई। अभियान में नगर निगम के प्रवर्तन दल, स्थानीय पुलिस बल और पशु कल्याण विभाग की सक्रिय भूमिका रही। टीम में डॉ. वर्मा के साथ शिवेक, रामकुमार, नदीम, अभिनव, मनोज और फुरकान शामिल रहे, जिन्होंने समन्वित प्रयास से यह कार्रवाई सफलतापूर्वक संपन्न की।नगर निगम को IGRS पोर्टल और अन्य माध्यमों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि डेरी संचालक गोबर और अन्य अपशिष्ट खुले स्थानों और नालियों में फेंक रहे हैं, जिससे इलाके में गंदगी, दुर्गंध, जलभराव और मच्छरजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। नागरिकों की इन्हीं शिकायतों के आधार पर यह विशेष अभियान चलाया गया।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम अधिनियम 1959 के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में भैंस पालन प्रतिबंधित है, क्योंकि भैंस को अपदूषण कारक पशु की श्रेणी में रखा गया है। नगर निगम की सीमा में केवल अधिकतम दो गायों के पालन की अनुमति दी जाती है, वह भी वैध लाइसेंस प्राप्त होने की स्थिति में।नगर निगम लखनऊ ने यह भी घोषणा की है कि भविष्य में ऐसे अवैध डेरी संचालकों के विरुद्ध नियमित और कठोर अभियान जारी रहेंगे। निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आस-पास संचालित हो रही अवैध डेरियों की सूचना निगम को दें, जिससे समय पर कार्रवाई की जा सके और शहर को स्वच्छ, सुरक्षित तथा रोगमुक्त बनाया जा सके।

दुष्कर्म के बाद वीडियो वायरल करने की धमकी, अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्तक्रांति ब्यूरो

लखनऊ। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता युवती को बहका फुसलाकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने, वीडियो वायरल कर देने और कही शिकायत करने पर जान से मार देने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शनिवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओवीसी के मण्डल महासचिव लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ठाकुर प्रेमनन्दवंशी ने इस मामले में पीड़ति, उसके पति और ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी, समाधान दिवस और डीआईजी को ज्ञापन देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर पीड़ति को न्याय दिलाने और उसके परिवार के सुरक्षा की मांग किया है।

ज्ञापन देने के बाद ठाकुर प्रेमनन्दवंशी ने बताया कि गांव के ही राजन पुत्र सुभाष ने खुद को प्रधान प्रतिनिधि बताकर और विनय यादव पुत्र सूर्यनाथ ने पीड़ति को बहका फुसलाकर शारीरिक सम्बन्ध बनाया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कहते हैं कि कहीं प्रार्थना पत्र दोगी तो जान से मार देंगे। इस सम्बन्ध में वाल्टरगंज थानाध्यक्ष को पीड़ति ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की माग किया था किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा पंजीकृत किया न ही कोई न्याय दिलाया गया। पीड़ति का आरोप है कि वाल्टरगंज थानाध्यक्ष विपक्षियों को बचा रहे हैं। ठाकुर प्रेमनन्दवंशी ने चेतावनी दिया कि यदि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई करते हुये न्याय न दिलाया गया तो मोर्चा सोमवार से धरना प्रदर्शन को बाध्य होगा।

ज्ञापन देने वालों में आर.के. आरटियन, राम सुमेर यादव, शिव कुमार, राजू प्रसाद, रामकरन, छोटू, बाबा ठाकुर, बब्बन शर्मा आदि शामिल रहे।

'भगवा आतंकवाद' शब्द को गढ़ने वाले अब क्षमा मांगें

जब भगवा आतंकवाद जैसा शब्द जबरन गढ़ दिया गया था तब मैंने मेरी "कांग्रेस मुक्त भारत की अवधारणा" पुस्तक में लिखा था कि "भगवा आतंकवाद" जैसा कोई शब्द या टर्म हो ही नहीं सकता, यह एक "अशब्द" है जिसे हमें बोलचाल, लेखन व विमर्श से निकला फेंकना होगा। इस शब्द को मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंग, केंद्र में एकाधिक विभागों के मंत्री रहे पी. चिदंबरम, तत्कालीन गृहमंत्री सुशील शिंदे और कांग्रेस ने केवल मोहरा बनकर गढ़ा था। इस शब्द के पीछे वस्तुतः तो वामपंथी छुपे हुए हैं जो प्रेत बनकर वेताल यानि कांग्रेस की पीठ पर अब भी सवार है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में जब भोपाल से साध्वी प्रज्ञा जी के विरुद्ध दिग्विजय सिंह चुनाव में उतरे थे तब उन्होंने समूचे चुनाव को 'भगवा आतंकवाद' को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव के मध्य समाचार पत्रों में मेरा एक आलेख भी प्रकाशित हुआ था, जिसका शीर्षक था - 'भगवा आतंकवाद शब्द की अंत्येष्टि का सटीक समय'। इस चुनाव में जानता ने दिग्विजय सिंह को 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द गढ़ने का यथोचित दंड दे दिया था। इस चुनाव में कम्युनिस्ट नेता सीताराम येचुरी भी भोपाल के सुंदर तालाब के किनारे पर बैठकर हिंदुत्व को मछली समझकर जाल डालकर बैठे हुए दिखे थे। उन्होंने भोपाल के ताल में एक नया शाब्दिक विष उँडेला था - "हिंदू तो सदा से हिंसक रहा है"। अरे, दिग्विजय जी, येचुरी जी, सहित भगवा आतंकवाद शब्द के सभी कथित नेताओं सुनो; हिंदू सदा से सहिष्णु रहा है, इतना सहिष्णु कि कई अवसरों पर इसका भूगोल और इतिहास ही बदल गया और कई अवसरों पर इस "हिंदू सहिष्णुता" ने हिंदूत्व के कुछ अध्यायों का समापन ही करवा दिया। यदि ऐसा नहीं होता तो, बाबर हजार मील दूर से भारत में आकर हमारे देश के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि पर बने मंदिर को नेस्तनाबूद कर बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं कर पाता। और, न ही दुर्दांत मुस्लिम शासक तैमुरलंग दिल्ली से हरिद्वार के समूचे मार्ग में हिंदू नरमुंड बिछा पाता, हिंदू हिंसक होता तो बख्तियार खिलजी भारतीय ज्ञान के प्रतीक, नालंदा को यूं आग के हवाले न कर पाता, न ही औरंगजेब काशी विश्वनाथ का मंदिर तोड़ पाता और न ही लाखों भारतीय मातृशक्ति को जौहर करने को मजबूर होना पड़ता। यदि हिंदू हिंसक होता तो गुरु गोविन्द सिंह के दोनों पुत्रों को जीवित दीवार में चुनकर मार डालने जैसी दुर्दांत घटना न हुई होती और न ही, मोहम्मद गजनवी श्रीकृष्ण जन्म स्थान को मथुरा में ध्वस्त कर कब्जा पाता। मालेगांव मामले में आए हुए निर्णय का मर्म यही है कि "यदि हिंदू सहिष्णुता और उस पर हुए अत्याचारों का इतिहास और पढ़ना हो तो वे संत मतिदास को पढ़ लें, गुरु तेगबहादुर को पढ़ लें, जलियांवाला बाग़ पढ़ लें, भगतसिंह के बम फेंकने की मानवीय शैली पढ़ लें, भारत का धर्म आधारित विभाजन और उसके बाद यहां की भूमि पर मुस्लिमों की बसाहट व पाकिस्तान से हिन्दूओं का मारकाट भरा निर्वासन पढ़ लें, वे सोहरावरदी पढ़ लें, मोपला काण्ड पढ़ लें। और यदि पुराना इतिहास न पढ़ना हो 'भगवा आतंकवाद' की माला जपने वाले नेताओं को हाल ही का 'रामसेतु विध्वंस' 'भगवान राम को काल्पनिक कहने का शपथपत्र' और 'ऐन दीवाली की रात्रि पूज्य शंकराचार्य जी की गिरफ्तारी का तालिबानी आदेश' पढ़ लेना चाहिए। इन घटनाओं सहित लाखों अन्य इतिहास सिद्ध घटनाओं ने यह ब्रह्मसत्य स्थापित किया है कि हिंदू हिंसक नहीं सहिष्णु रहा है, क्षमाशील रहा है, सर्वसमावेश को, सर्वस्पर्श को आतुर व उत्सुक समाज रहा है!

मालेगांव के संदर्भ में कांग्रेसी नेताओं द्वारा यह भी कहा गया था कि "आतंकवादी घटनाओं में मुस्लिमों से अधिक हिंदू सम्मिलित रहते हैं"। 2008 के बाद, विशेषकर 26/11 के मुंबई हमले से ठीक पहले, मालेगांव केस को आधार बनाकर कम्युनिस्ट रिमोटेड कांग्रेस्टिस्टों ने एक ऐसा नैरेटिव खड़ा किया था कि भारत में आतंकवाद को हिंदू संगठन बढ़ा रहें हैं। लेकिन यह एक वैचारिक आगजनी वाला झूठ था – राजनीतिक लाभ के लिए रचा गया नैरेटिव, जिसकी कीमत निर्दोष हिंदुत्व के मासूम संतों, सैनिकों व नागरिकों ने चुकाई है। लेफ्ट-लिबरल मीडिया, कुछ स्वघोषित बुद्धिजीवी और वामपंथी इतिहासकारों ने इस नैरेटिव को खुलकर समर्थन दिया। प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल श्रीकांत पुरोहित, स्वामी असीमानंद जैसे लोग, जो राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े थे, उन्हें 'आतंकवादी' की तरह पेश किया गया, मीडिया ट्रायल चला, और तथाकथित सेकुलर ताकतों ने उनकी छवि को नष्ट-भ्रष्ट करने के प्रयास किए। साध्वी प्रज्ञा जी ठाकुर को गंभीर स्थिति के कैंसर की स्थिति में भी कारावास में रखा गया, उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं। क्या इस पीड़ा के लिए कोई जिम्मेदार ठहराया जाएगा? क्या झूठे मुक़दमों के लिए जांच एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी? अब जब सच्चाई सामने आ चुकी है, तो वे चुप हैं– कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई क्षमा नहीं। यह उनकी नैतिकता की हार है और इस देश के विवेक के लिए एक चेतावनी भी। आज की आवश्यकता है कि वे हिंदू समाज से उनके द्वारा गढ़े गए छद्म शब्दों के लिए क्षमा मांगे और उनका उत्तरदायित्व हमारा समाज तय करे। कांग्रेस नेतृत्व को अपने इस झूठे नरैटिव गढ़ने के दोष हेतु देश से क्षमा माँगनी चाहिए।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा धूरवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना।

ललित गर्ग

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस "भगवा आतंकवाद" की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा धूरवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है। इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-"आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है" इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है। वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

अजब-गजब

25 साल की लड़की को 76 साल के बुजुर्ग से हुआ इश्क, बोली– घरवाले नाराज, पर शादी करूंगी तो उसी से

'लव इज़ ब्लाइंड' कहावत तो आपने सुनी ही होगीपर इस बार तो इसने उम्र की सारी हदों को ही पार कर दिया है। अमेरिका के सैन डिएगो की 25 वर्षीय डायना मोंटानो (Diana Montano) ने प्यार की जो नई परिभाषा लिखी है, उसके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। डायना खुद से 51 साल बड़े यानी अपनी दादा की उम्र के 76 वर्षीय एडगर (Edgar) को दिल दे बैठी है। इतना ही नहीं, घरवाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ है, लेकिन डायना का कहना है कि वह शादी करेंगी तो सिर्फ एडगर से। क्योंकि, उम्र सिर्फ एक संख्या है। आइए अब जानते हैं कि ये बेमेल जोड़ी आखिर बनी कैसे?

डायना को प्यार की कोई तलाश नहीं थी, पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। एडगर की एक्स गर्लफ्रेंड के जरिए दोनों पहली बार मिले थे, लेकिन डायना ने यह कभी नहीं सोचा था कि वह एडगर के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में पड़ जाएंगी।

लेकिन कहते हैं न कि वक्त का पहिया कब घूम जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। जुलाई 2023 में जब डायना 23 साल की थीं, तब एडगर ने उनसे फोन नंबर मांगा। पहले तो वह एजगैप की वजह से झिझकीं, फिर अपना नंबर दे दिया। डायना बताती हैं कि एडगर पहली ही मुलाकात में उन पर लट्टू हो गए थे। हालांकि, कुछ ही महीनों की बातचीत के बाद एडगर के लिए उनकी फीलिंग्स भी जाग गईं।

द सन में छपी रिपोर्ट के अनुसार, करीब एक साल की लुक-छुप डेटिंग के बाद दोनों हवाई की रोमांटिक सैर पर निकल पड़े। एडगर ने वहीं डायना से अपने दिल की बात कही। उन्होंने कहा, काश मैं जवान होता तो तुमसे शादी कर लेता। इस पर डायना ने भी तपाक से जवाब दिया, मैं तैयार हूं। फिर क्या था, वह एडगर की गर्लफ्रेंड बन गईं।

लेकिन पेशे से नर्स डायना के घरवाले उनके इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं। परिवार का मानना है कि वह अपनी जिंदगी बर्बाद कर रही हैं। डायना ने बताया कि सिर्फ उनकी मौसी ने उनका साथ दिया। उनका कहना है कि वह समझदार व्यस्क हैं, और अपने फैसले खुद ले सकती हैं। उन्होंने कहा, भले ही घरवाले नाराज हैं, पर मैं शादी करूंगी तो सिर्फ एडगर से। उन्होंने अपने रिलेशनशिप को बेहद जोशीला, खुशियों से भरा और स्थिर बताया है। जैसे ही यह अनोखी लव स्टोरी सोशल मीडिया पर आई, नेटिजन्स के बीच बहस छिड़ गई। लोग इस रिश्ते को 'घिनौना', 'अस्वाभाविक' और ना जाने क्या-क्या कह रहे हैं। एक यूजर ने तो यह तक कह दिया कि काश तुम पैदा ही नहीं हुई होती।

ब्लॉग

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ रचे गए कांग्रेसी षड्यंत्रों से उपजते सवाल

कमलेश पांडे

मालेगांव बम विस्फोट कांड (2008) के बारे में हाल ही में जो महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं, वो किसी भी सजग भारतीय का दिल दहलाने वाले हैं। साथ ही भारत के एक प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस के सार्वजनिक चरित्र के बारे में जो खुलासे हुए हैं, वह उस पर एक गम्भीर लांछन के रूप भी दिखाई दे रहे हैं। यह भारत के उन कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की मनोदशा पर भी प्रकाश डाल रहे हैं, जिन्हें राजनीतिक नाफरमानी की स्थिति में भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इसलिए हमारी संसद को चाहिए कि वह भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए हमारे प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों को सक्षम बनाने के लिए कानून बनाए और उनके पाकसाफ हाथ को मजबूत करे। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस के जड़विहीन व खुराफाती रणनीतिकारों यथा-तत्कालीन गृह मंत्री पी.चिदम्बरम, महाराष्ट्र के पार्टी नेता सुशील कुमार शिंदे और तत्कालीन गृह सचिव आर के सिंह आदि ने यूपीए संयोजिका और कांग्रेस सुप्रीमो श्रीमती सोनिया गांधी, जो इटालियन ईसाई मूल की भारतीय भारतीय बहू हैं, को प्रसन्न करने के लिए जिस हिन्दू आतंकवाद या भगवा आतंकवाद की अवधारणा दी और इसी बहाने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करवाने की जो घृणित चाल चली, वही 5 साल बाद कांग्रेसी सत्ता की ताबूत के लिए अंतिम कील साबित हुई। लिहाजा, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ रचे गए कांग्रेसी षड्यंत्रों से कुछ महत्वपूर्ण सवाल उपजते हैं, जिसका समुचित जवाब तलाशे जाने की जरूरत है। वहीं, यदि इस मामले के षडयंत्रकारियों को न्याय के कठघड़े में लाया जा सका, तो यह बहुत बड़ी बात होगी। वहीं, राजनीतिक परिदृश्य इस बात की चुगली करता है कि मालेगांव बम विस्फोट कांड की भटकाई गई जांच के बाद से कांग्रेस कभी केंद्रीय सत्ता में नहीं लौट पाई। साल 2014, 2019 और 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाले पहले यूपीए और अब इंडिया गठबंधन को भारतीय हिन्दुओं ने लगभग खारिज कर दिया। समझा जाता है कि तब सुरसा मुख की भांति फैलते जा रहे ₹इस्लामिक आतंकवाद₹ से देशवासियों का ध्यान भटकाने के लिये कांग्रेसियों ने यह सियासी षड्यंत्र रचा था। लेकिन इस भगवा आतंकवाद या हिन्दू आतंकवाद की अवधारणा के लगभग डेढ़ दशक बाद जो महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं, वो बेहद चौंकाने वाले। इससे कांग्रेस की बची हुई सियासी साख भी मिट्टी में मिल सकती है। दरअसल, इस विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा रहे पुलिस इंस्पेक्टर महबूब मुजावर ने एक सनसनीखेज दावा किया है कि साल 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में जांच के दौरान महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। यही नहीं, मालेगांव बम विस्फोट जांच को ₹गलत दिशा₹ में ले जाने का सियासी प्रयास किया गया और इस घृणित योजना पर आपत्ति जताने पर उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए। देखा जाए तो यह बहुत ही गम्भीर आरोप है और इसके दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

बता दें कि पूर्व एटीएस अधिकारी की तजव टिप्पणी मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को इस आधार पर बरी करने के एक दिन बाद आई है कि उनके खिलाफ ₹कोई विश्वसनीय और ठोस₹ सबूत नहीं है। सवाल है कि सबूत आखिर हो भी कैसे, क्योंकि यह एक पूर्वनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है और इसके प्रायोजकों ने पहले ही सबूत नष्ट कर दिए, ताकि लक्षित लोगों या उनके समूह को फंसाया जा सके। कहने का तातपर्य भाजपा नेताओं और आरएसएस कार्यकर्ताओं को, जैसा कि बाद के प्रकरणों से साबित भी हुआ।

उल्लेखनीय है कि 29 सितम्बर 2008 को मुम्बई से लगभग 300 किलोमीटर दूर मालेगांव के एक व्यस्त बाजार में मोटरसाइकिल में रखे बम के फटने से छह लोग मारे गए थे। प्रारम्भ में महाराष्ट्र एटीएस ने इस विस्फोट की जांच की, जिसके बाद इसे देश की शीर्ष आतंकवाद-रोधी संस्था राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। इसी सिलसिले में शामिल रहे मुजावर ने बताया कि, 'वरिष्ठों ने आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत की गिरफ़्तारी का आदेश दिया था।' बता दें कि श्री भागवत मार्च 2009 में ही आरएसएस प्रमुख बने थे। उन्होंने आगे यह भी कहा कि, 'मालेगांव विस्फोट के तत्कालीन मुख्य जाँच अधिकारी परमबीर सिंह ने मुझे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया था।' उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि, 'मोहन भागवत को इस मामले में शामिल किया जा रहा था ताकि इसे भगवा आतंकवाद का मामला बनाया जा सके।₹ बताते चलें कि भाजपा ने पहले भी आरोप लगाया है कि इस मामले की जाँच दक्षिणपंथी नेताओं को बदनाम करने और फंसाने तथा हिंदू समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से की गई थी। वहीं, मुजावर ने यहां तक कहा कि, 'मालेगांव बम विस्फोट की फर्जी जांच की कोशिश की गई थी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार नहीं था। लिहाजा इस मामले में मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन बाद में मेरा नाम साफ हो गया।'

उन्होंने यहां तक कहा कि राज्य की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस मामले में तत्कालीन अधिकारियों पर दबाव डाला होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस मामले की गोपनीय जानकारी की थी। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी सेवा कर रहा था। मुझे पता था कि ये बातें झूठी हैं, इसलिए मेरे खिलाफ मामले दर्ज किए गए।' गौरतलब है कि राजनीतिक नाफरमानी की वजह से मनगढ़ंत आरोप लगाकर श्री मुजावर को तत्कालीन राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था।

इधर, उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठीक ही कहा है कि, '2008 की मालेगांव साजिश का पर्दाफाश हो गया है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़े थे। ऐसे समय में जब इस्लामी आतंकवाद पर बात हो रही थी, सरकार द्वारा उसको वोट देने वालों को नाराज़ नहीं किया जा सकता था, यही वजह है कि हिंदू आतंकवाद का सिद्धांत गढ़ा गया।' यह गम्भीर सरकारी पहल थी, जिसकी कांग्रेस ने भारी सियासी कीमत भी चुकाई। इस नए खुलासे के नकारात्मक असर भी बिहार विधानसभा चुनाव पर पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित आवास एंटीलिया के बाहर कथित तौर पर विस्फोटक मिलने के बाद, मुंबई पुलिस आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कदाचार के आरोपों के बीच, श्री सिंह को दिसंबर 2021 में निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद, उन्होंने महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर जबरन वसूली और हस्तक्षेप का आरोप लगाया। श्री देशमुख को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन श्री सिंह पर राज्य सरकार ने जबरन वसूली और इसी तरह के आरोपों में मामला दर्ज किया। ये आईपीएस अधिकारी 2022 में सेवानिवृत्त हुए। हालांकि, एक साल बाद, एकनाथ शिंदे सरकार ने भाजपा को चिढ़ाने के लिए। उनके खिलाफ सभी आरोप हटा दिए। इससे भाजपा मनमसोस कर रह गई। जैसा कि एनआईए ने बताया, मालेगांव में विस्फोट रमज़ान के पवित्र महीने में, नवरात्रि से ठीक पहले हुआ था। एनआईए ने दावा किया कि आरोपियों का इरादा मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग में दहशत फैलाना था। 2018 में शुरू हुआ यह मुकदमा इसी साल 19 अप्रैल को पूरा हुआ। अभियोजन पक्ष ने 323 गवाह पेश किए, जिनमें से 37 अपने बयानों से मुकर गए। लिहाजा, विशेष अदालत ने गुरुवार को कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह तो साबित कर दिया कि बम विस्फोट हुआ था, लेकिन वह यह साबित करने में विफल रहा कि विस्फोटक मोटरसाइकिल पर लगाया गया था। इसलिए कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

लिहाजा, इस मामले में कुछ सुलगते सवाल उठना लाजिमी है। पहला यह कि कहीं भगवा आतंकवाद के षड्यंत्रकारियों ने ही तो इस बम विस्फोट की घटना को तो रमजान के पाक महीने में अंजाम दिलवाया, ताकि रणनीतिक रूप से हिंदुओं को फंसाया/फँसवाया जा सके। दूसरा, भारतीय संविधान के तहत पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों का चारित्रिक स्तर इतना गिर गया है कि वो अपने सियासी लाभ के लिए प्रशासनिक जांच की दिशा ही भटका दें। यह पक्ष-विपक्ष की राजनीति को स्थायी रूप देने के लिए किया गया एक खतरनाक प्रयास है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। इससे भारतीय जांच एजेंसियों की साख भी घटेगी।

कहना न होगा कि यदि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भगवा आतंकवाद की आड़ में गिरफ्तार कर लिया गया होता तो आज भाजपा के अच्छे दिन नहीं आते। बता दें कि भाजपा को 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत दिलवाने में आरएसएस की बहुत बड़ी भूमिका थी और 2024 में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा उसकी भूमिका को कमतर आंकने का ही अभिशाप है कि भाजपा आज अल्पमत में है और एनडीए का गठबंधन सरकार चलाने को अभिशप्त भी। इसलिए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार को लाने और भाजपा को व्यापक सियासी आधार प्रदान करने में मोहन भागवत की शानदार रणनीतिक भूमिका है। देखा जाए तो लगभग 75 वर्ष की आयु में भी वो जितने सक्रिय हैं, आरएसएस को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील हैं, वह बहुत बड़ी बात है। इससे यह महसूस होता है कि कांग्रेस नेताओं का निशाना अचूक था, लेकिन महाराष्ट्र के एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी ने उनके इस महत्वपूर्ण मिशन की हवा निकाल दी। बता दें कि इससे पहले भी कांग्रेस सरकार दो-दो बार आरएसएस पर राष्ट्रीय प्रतिबंध लगा चुकी है। राजनीतिक टीकाकार बताते हैं कि जहां 1989 में भागलपुर सांप्रदायिक दंगे को नियंत्रित करने में विफल रही कांग्रेस सरकार ने इसकी पूरी राजनीतिक कीमत चुकाई और हिंदी पट्टी से खत्म हो गई। उसके बाद से केंद्र में भी कभी अपने दम पर सत्ता में नहीं लौटी। इसलिए मुस्लिम परस्त राजनीति करने की आरोपी कांग्रेस और उसके सियासी सहयोगियों को जब भी गठबंधन करके सत्ता मिलती है तो हिंदुओं को कमजोर करने के लिए वह तरह तरह के एकपक्षीय कानून लाने की कोशिश करती है। इससे उसकी सियासी छवि भी प्रभावित हुई है। वहीं, आरएसएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अपने विरुद्ध हुए तमाम सियासी व प्रशासनिक षड्यंत्रों के बावजूद वह भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बना हुआ है जिसका मूल ध्येय राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण और विश्व कल्याण है।

काशी के दौरे पर पीएम मोदी... डीएम -कमीश्नर से ली बाढ़ की जानकारी, दिया ये आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति की जानकारी लेने के लिए मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से बातचीत की। उन्होंने बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की और राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यह भी जाना कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर शरण लिए हुए प्रभावितों के लिए क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने यह निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को प्रशासन की ओर से हर प्रकार की सहायता तत्परता से उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो।

वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर शुक्रवार को 70 मीटर पार चला गया और अब यह लगभग 4 मिनट प्रति घंटे की गति से लगातार बढ़ रही है। शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 70.28 मीटर दर्ज किया गया। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) अलर्ट पर है और किसी भी आपात वाली स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

बाढ़ का खतरा बढ़ा

केंद्रीय जल आयोग की जानकारी के अनुसार, वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में नदी का स्तर 70।28 मीटर तक पहुंच चुका है, जो चेतावनी स्तर 70.262 मीटर को पार कर चुका है। अगर यही स्थिति बनी रही तो जल्द ही यह खतरे के निशान 71.262 मीटर के करीब पहुंच सकता है। उच्च बाढ़ स्तर 73.901 मीटर है। शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जिला प्रशासन की जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर तक पहुंच गया है, और आशंका है कि यह जल्द ही खतरे के निशान को पार कर सकता है।

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त जारी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उ0प्र0 में आयोजित रपी0एम0 किसान उत्सव दिवसर में माननीय प्रधानमंत्री जी, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किश्त जारी की गई। इस कार्यक्रम का कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़, बाराबंकी के साथ ही समस्त विकास खण्डों में किसान कल्याण केन्द्र विकास खण्ड मुख्यालय पर सजीव प्रसारण भी कराया गया। साथ ही कृषि विभाग के क्षेत्रीय कार्मिकों एवं जनसुविधा केन्द्रों द्वारा भी ग्राम पंचायतों में वर्चुअल रूप से अपने मोबाइल लैपटाप द्वारा किसानों के मध्य लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से प्रसारण कराया गया। जनपद स्तर लोक सभागार, कलेक्ट्रेट, बाराबंकी में उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया गया जिसमें। प्रभारी मंत्री सुरेश राही जी, राज्य मंत्री खाद्य एवं रसद, उ0प्र0 सतीश चन्द्र शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्षा, राजरानी रावत जी, विधायक, हैदरगढ़ दिनेश रावत जी, विधायक, कुर्सी साकेन्द्र प्रताप वर्मा जी, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह जी, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी, अन्ना सुदन, सहित कृषि एवं अन्य विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। विकास खण्ड बंकी के कार्यक्रम का आयोजन पल्हरी प्रक्षेत्र स्थित उप कृषि निदेशक कार्यालय सभागार में उक्त कार्यक्रम का कृषकों के मध्य सजीव प्रसारण कराया गया। इस कार्यक्रम में माननीय जिला पंचायत सदस्य डा0 अवधेश वर्मा, मण्डल अध्यक्ष भाजपा श्रीकान्त मिश्र, मण्डल उपाध्यक्ष, भाजपा बृजेश मौर्य, राहुल गोस्वामी, रावेन्द्र गौतम, आयुश भट्ट, मा0 मण्डल महामंत्री, भाजपा भानु प्रताप यादव, मा. मण्डल मंत्री सुनील रावत, मा0 जिला उपाध्यक्ष, भाजपा पि0मो0, बिन्द्रा प्रसाद वर्मा सहित 150 से अधिक क्षेत्रीय कृषक महिला कृषक उपस्थित रहे।

गला दबाकर दूसरी पत्नी को मार डाला, पुलिस को सुनाई दूसरी कहानी, कैसे पकड़ा गया कातिल पति ?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मझोला थाना क्षेत्र के मलकददा गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी दूसरी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतक महिला का नाम सहीमा (32) है। हालांकि, आरोपी युवक ने पुलिस को गुमराह करने के लिए तमाम तरह की झूठी कहानियां सुनाई, लेकिन पुलिस जांच में उसकी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

यह घटना देर रात करीब 1 बजे की है। आरोपी नजरूद्दीन ने पुलिस को बताया कि चार अज्ञात बदमाश उसके घर में घुसे और उसकी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर फरार हो गए। उसने शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, मझोला पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो किसी बाहरी शख्स के आने-जाने के सबूत नहीं मिले। शक गहराने पर पुलिस ने नजरूद्दीन को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपी ने बताया कि उसकी पहली पत्नी से चार बेटे और चार बेटियां हैं। छह साल पहले उसने बिहार के शिवहर जिले के चमनपुरा निवासी मोहम्मद जुनेद की बेटी सहीमा से दूसरी शादी की थी। उससे उसका एक बेटा भी है।

आरोपी ने पुलिस को क्या बताया?

नजरूद्दीन ने खुलासा किया कि सहीमा, उसकी पहली पत्नी से पैदा हुई अविवाहित बेटी को लेकर तरह-तरह की बातें करती थी, जिससे उसकी बदनामी हो रही थी। इसी बात से परेशान होकर उसने पहले से साजिश रची और ड्रोन व बदमाशों का बहाना बनाकर हत्या को अंजाम दे दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सहीमा के मायके वाले मौके पर पहुंचे और पति पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने नजरूद्दीन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

स्कालर एकेडमी इंटर कॉलेज उतरौला में सत्र 2025 –26 के लिए अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

बलरामपुर उतरौला। शनिवार को स्कालर एकाडमी इंटर कालेज उतरौला में सत्र 2025-26 के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें आर्यभट्ट सदन से अजय शंकर वर्मा सी० वी० रमन सदन से आतिफ अहमद खान एच० जे० भाभा सदन से माही वर्मा और जे० सी० बोस सदन से आशा देवी को हाउस कैप्टन चुना गया इसी क्रम मे हेड ब्वाय अबु सुफियान एव हेड गर्ल उन्नति श्रीवास्तव को चुना गया। सभी चुने गये सदस्यों का बैच एव शेशे लगा कर सम्मान किया गया व पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर असलम शेर खान ने सभी चुने गए नए सदस्यों को बधाई दी व अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का निर्देश दिया।

नशे में पहले पीटा, गला दबाकर पत्नी की हत्या... फिर शव को दुपट्टे से लटकाया ; कातिल पति अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के हिसामपुर बहरे मऊ गांव में शुक्रवार रात एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत ने पूरे गांव में सनसनी फैला दी। मृतका की पहचान मोनी देवी के रूप में हुई है। उसका शव घर के ऊपर बने कमरे में दुपट्टे से फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है।

शुरुआत में मामला आत्महत्या का प्रतीत हुआ, लेकिन जब मृतका के परिजनों ने पूरी सच्चाई बताई, तो यह एक दर्दनाक मोड़ लेता दिखा। मृतका के भाई राहुल ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या है। उसका कहना है कि मोनी का सगा भाई रोहित आए दिन उससे झगड़ा करता था। रोहित को यह बात नागवार लगती थी कि मोनी अपनी बड़ी बहन के देवर से बातचीत करती थी। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद और मारपीट होती थी।

राहुल ने बताया कि शुक्रवार की शाम रोहित अपने दो दोस्तों मनोज कुमार और पिंटू, दोनों निवासी जगन्नाथपुर, थाना मोहब्बतपुर पइंसा, के साथ शराब के नशे में घर पहुंचा। तीनों ने मिलकर पहले मोनी के साथ जमकर मारपीट की और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि हत्या के बाद मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को छत पर बने चुल्ले से दुपट्टे के सहारे लटका दिया गया।

घटना के समय घर में मोनी अकेली थी। उसकी मां दिव्यांग थी और घर के बाहर बैठी थी, जबकि पिता और भाई राहुल खेत में काम कर रहे थे। राहुल ने दावा किया कि जब वह घर लौटा, उसने तीनों आरोपियों को मौके से भागते हुए देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मंझनपुर कोतवाली पुलिस और एडिशनल एसपी राजेश सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मौके की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने परिजनों से विस्तृत बयान दर्ज किए हैं।

क्या बोले एडिशनल एसपी?

एडिशनल एसपी राजेश सिंह ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह स्पष्ट होगी। आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या, दोनों एंगल पर जांच कर रही है।

तहसील सदर में जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आए हुए फरियादियों की सुनी समस्याएं

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील सदर में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के साथ आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना। तहसील सदर में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 132 प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 16 का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ प्रेषित किया कि प्रार्थना पत्रों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादी को त्वरित न्याय मिल सके और उन्हें बार-बार तहसील एवं जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़े अतएव सभी अधिकारी अपने से संबंधित प्रार्थना पत्रों को पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण करें और फरियादी को न्याय दिलाए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता हो तो मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी बातों को सुनते हुए शिकायत का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। तहसील सदर में अपर पुलिस अधक्षीक नितेश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर गुलाबचंद्र, क्षेत्राधिकारी नगर विवेक जावला, सदर अमर बहादुर, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सड़क पर सपेरे ने मचाया उत्पात, महिला सिपाही पर फेंका सांप

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में एक नशे में धुत्त सपेरे ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। यह मामला कल्याणपुर इलाके का है, जहां सावन के महीने में सांप दिखाने के बहाने एक सपेरा दुकानों के बाहर पैसे मांग रहा था। शुरुआत में दुकानदारों ने उसे कुछ समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन जब उसने बार-बार पैसे की मांग की और उन्हें परेशान करने लगा, तो कुछ दुकानदारों ने उसे दुकान से हटाने की कोशिश की। इसी बात से नाराज होकर सपेरे ने अपनी पोटली से जिंदा सांप निकाल लिया।

जैसे ही सांप बाहर आया, पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। सपेरे ने सांप निकालकर पहले दुकानदारों को डराने की कोशिश की। लोग इधर-उधर भागने लगे और आसपास के ग्राहकों में भी भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसी बीच मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भी हालात संभालने के लिए पहुंचे, लेकिन सपेरे का नशा इस कदर चढ़ा हुआ था कि उसने पुलिस को भी सांप दिखाकर डराने का प्रयास किया।

लोगों ने बताई आंखों देखी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सपेरे का रवैया बेहद आक्रामक था। वह बार-बार सांप को लहराते हुए धमकी दे रहा था कि अगर किसी ने उसे परेशान किया तो वह सांप छोड़ देगा। बाजार में मौजूद महिलाएं और बच्चे दहशत में आ गए और कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। करीब आधे घंटे तक यह तमाशा चलता रहा। पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग बार-बार उसे समझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन नशे में धुत्त सपेरे पर किसी की बात का असर नहीं हुआ। आखिरकार, जब दुकानदारों ने एकजुट होकर उसे घेरने की तैयारी की और गुस्से में उसकी तरफ बढ़े, तो सपेरे को समझ आ गया कि अब उसकी पिटाई भी हो सकती है। हालात बिगड़ते देख उसने तुरंत सांप को वापस पोटली में डाला और वहां से भाग निकला।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

घटना का पूरा नजारा वहां मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे देखकर हैरानी जता रहे हैं। फिलहाल, पुलिस ने सपेरे की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी है ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो सके। यह वाकया स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है और लोग इसे अब तक का सबसे अनोखा हंगामा बता रहे हैं।

केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। केंद्रीय राज्यममंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण व रसायन उर्वरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र चुनार के मेडिया बाढ़ चैकी का निरीक्षण कर गंगा नदी से प्रभावित बाढ़ क्षेत्रों को देखा व स्थानीय बाढ़ पीड़ति लोगों से बात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने बाढ़ आपदा से बचाव के लिए उपस्थित उप जिलाधिकारी चुनार को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पेयजल, विद्युत, प्रकाश, दवाएं राहत सामग्री आदि की पर्याप्त व्यवस्था रहे, कहीं कोई कमी न हो और बाढ़ प्रभावित फसलों से पानी उतरने के पश्चात पारदर्शिता के साथ सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मेडिकल टीम को सक्रिय रहने का निर्देश दिया।

गंगा में मिली दुर्लभ मछली, मछुआरे भी रह गए हैरान, अमेरिका के नदी में पाई जाती है

आर्यावर्त संवाददाता

सैदपुर। उत्तर प्रदेश के सैदपुर तहसील के पटना गांव के पास कुछ मछुआरे गंगा नदी में मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान एक मछुआरे के जाल में एक दुर्लभ मछली आ फंसी, जिसे देख मछुआरे दंग रह गये। यह मछली आम मछलियों से बिल्कुल अलग थी। मछली के पूरे शरीर पर बिल्ली के रंग वाले कलाकृति का डिजाइन बना हुआ है। इस विचित्र मछली को देखने के लिए सैकडों लोग उमड़ पड़े।

गांव के कई बुजुर्ग, पुराने मछुआरे और नाविकों ने बताया कि ऐसी मछली पहली बार गंगा नदी में देखी गई है, जिसके पूरे शरीर पर कांटे ही कांटे है। मछली को नंगे हाथों से पकड़ना बहुत ही मुश्किल है। मछली के पंख भी अन्य मछलियों से काफी बड़े है। मछली के प्रजाति की तलाश में मछुआरों ने कई विज्ञान शिक्षकों से भी सम्पर्क किया।

यह मछली गाजीपुर के सैदपुर तहसील के पटना गांव के पास गंगा नदी में मिली है। यहां गोमती नदी का संगम स्थल भी है और यहीं पर डॉल्फिन मछलियों का बसेरा भी मिलता है। आए दिन डॉल्फिन यहां पर उछल कूद करती हुई दिखती है यहीं पर एक बार फिर से मछुआरों को एक अजीब प्रजाति की मछली मिली है, जिसका पूरा शरीर कांटों से भरा पड़ा है। रविकांत निषाद ने बताया कि गूगल की मदद से मछली का फोटो अपलोड कर उसकी पहचान अमेरिकन कैटफिश के रूप में की गई।

मछुवारे ने क्या कहा?

अर्जुन निषाद नाम के मछुआरे बताते है कि वो गंगा में मछली मार रहे थे। इसी दौरान उसने मछलियों के जाल में चितकबरे रंग की मछली देखी, लेकिन उसे नही पहचान पाये की किस प्रजाति की है। मछली के पूरे शरीर पर बिल्ली के रंग वाले कलाकृति का डिजाइन बना हुआ है। इसके पहले यह मछली गंगा नदी में बिहार के दरभंगा में करीब 20 दिन पहले देखी गई थी।

क्या है इस मछली की खासियत?

रविकांत निषाद नाम के शख्स ने बताया कि इसके बारे में जानकारी के लिए गूगल की मदद ली गई। मछली का फोटो गूगल पर अपलोड किया गया तो उसकी पहचान अमेरिकन कैटफिश के रूप में हुई। कांटेदार कैटफिश मछली के कई प्रजातियां है जिनमें से कुछ के शरीर पर कांटेदार होती हैं। यह काफी खतरनाक मछली मानी जाती है। कांटेदार कैटफ़िश के कांटे उनकी रक्षा के लिए होते हैं। जो शिकारियों से बचने में मदद करते हैं।

यह मछली दक्षिणी अमेरिका की नदियों में पाई जाती है, जिनमें ओवरलैपिंग प्लेटें और हवाई श्वसन के लिए आंतों में संशोधन होते हैं जो उन्हें पानी की सतह से हवा में सांस लेने की अनुमति देता है। ये मछलियां वहां के अक्सर छोटे तालाबों, झीलों और नदियों में पाई जाती हैं। गंगा नदी के बाढ़ में आये इस दोनों मछली को मछुआरों ने नदी की धाराओं में छोड़ दिया।

एक किलो का दाम दो रुपये, सहजन की पत्तियों से बनाया गायों के लिए सुपर फूड ; झांसी के वैज्ञानिकों का कमाल!

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी के चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा देसी फार्मूला विकसित किया है, जो गोवंश को तंदुरुस्त बनाएगा और दुग्ध उत्पादन में चमत्कारी बढ़ोत्तरी करेगा। खास बात यह है कि यह फार्मूला किसी महंगे सप्लिमेंट पर नहीं, बल्कि हमारे देसी चमत्कारी पेड़ सहजन की पत्तियों पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने बताया कि सहजन की कोमल पत्तियों और तनों को काटकर सुखाया गया।

फिर उसका पाउडर बनाकर लीफ मील तैयार की गई। जब इस लीफ मील को गोवंश के आहार में शामिल किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले थे। 20 से 25 फीसदी तक दुग्ध उत्पादन में इजाफा हुआ। साथ ही पशुओं के शरीर में प्रोटीन, जिंक और फाइबर की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इस देसी फार्मूले की सबसे बड़ी खूबी इसकी लागत है, जहां सामान्य पशु आहार 10 से 15 रुपये प्रति किलो तक पड़ता है, वहीं सहजन लीफ मील महज़ 2 रुपये किलो में तैयार हो सकती है।यानी दुग्ध उत्पादकों के लिए यह न केवल लाभदायक है, बल्कि आर्थिक रूप से भी बेहद किफायती।

हर मौसम में तैयार चारा

सहजन को अब तक सब्जी या औषधि के रूप में ही जाना जाता था, लेकिन अब यह पशु आहार का सुपरफूड बन चुका है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी पत्तियों में संतरे से ज्यादा विटामिन सी, केले से ज्यादा पोटेशियम और दूध-अंडे से ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है। सहजन की पत्तियों में करीब 21।53 फीसदी क्रूड प्रोटीन में 24।07 फीसदी, एसिड डिटर्जेंट फाइबर और 17।55 फीसदी न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर मौजूद होता है। सहजन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह पेड़ सूखे की स्थिति में भी आसानी से विकसित होता है। इसे कम पानी वाली जमीन पर भी उगाया जा सकता है।

माता–पिता के साथ समय बिताना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक पाया गया है। मुख्य गतिविधियों में पुरानी यादें ताजा करना, भावनात्मक समर्थन देना, शेयर एक्टिविटीज में भाग लेना, मार्गदर्शन प्रदान करना, और छोटी–छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाना शामिल हैं।

मां-बाप के करीब रहने वाले बच्चे होते हैं मजबूत, किसी चुनौती या परेशानी सेनहीं डरते

बच्चों के लिए मां-बाप के साथ समय बिताना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चों को कई तरह के फायदे मिलते हैं। अगर आप भी एक पेरेंट हैं और अपनी बिजी लाइफ में आपको अपने बच्चे के साथ अधिक समय बिताने का मौका नहीं मिल पाता है, तो अब आपको अपनी इस आदत को बदल देना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह बच्चों के साथ पेरेंट्स को समय बिताना चाहिए और इससे बच्चों को क्या फायदे मिलते हैं।

माता-पिता के साथ समय बिताना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक पाया गया है। मुख्य गतिविधियों में पुरानी यादें ताजा करना, भावनात्मक समर्थन देना, शेयर एक्टिविटीज में भाग लेना, मार्गदर्शन प्रदान करना, और छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाना शामिल हैं। इससे बच्चों की मानसिक सहनशीलता और खुशी बढ़ती है। तो चलिए जानते हैं कि बच्चों की भलाई के लिए पेरेंट्स को उनके साथ किस तरह से समय बिताना चाहिए।

यादें बनाएं

माता-पिता और बच्चों को एक साथ बैठकर अपनी यादों को ताजा करना चाहिए। ऐसा करने से वे एक दूसरे के साथ संबंध का एहसास पैदा करते हैं और सकारात्मक और स्वस्थ रिश्ते बनाते हैं। इससे भावनात्मक समर्थन और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। जब माता-पिता और बच्चे मिलकर अपने पुराने अनुभवों और यादों को साझा करते हैं, तो यह उनके बीच की भावनात्मक दूरी को कम करता है। इससे बच्चे अपने माता-पिता के साथ खुलकर बातें कर सकते हैं और अपनी भावनाओं को साझा कर सकते हैं। यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें यह महसूस कराता है कि वे परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

भावनात्मक स्वास्थ्य

टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित एक आर्टिकल में ओन्टोलॉजिस्ट और मानसिक स्वास्थ्य एवं रिलेशनशिप एक्सपर्ट आशमीन मुंजाल ने बताया है कि 'स्वस्थ मानसिकता और एक-दूसरे की समझ को बढ़ावा देने के लिए भावनात्मक समर्थन और प्रोत्साहन देना जरूरी होता है। कठिन समय में उपस्थित रहना और खुलकर बात कर पाना इस प्रक्रिया को सुदृढ़ करता है। माता-पिता बिना शर्त के प्यार देते हैं, जो तनाव और चिंता को कम कर सकता है।'

एकसाथ समय कैसे बिताएं

पारिवारिक परंपराओं, एक-दूसरे की हॉबी में शामिल होना पारिवारिक संबंधों को मजबूत कर सकता है। छोटी-छोटी चीजों से भी खुश रहा जा सकता है जैसे कि एकसाथ लंच या डिनर करना। इससे भी परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलता है। ये बच्चों के जीवन में खुशी और संतोष को बढ़ावा देती हैं, जिससे वे अधिक आत्मविश्वासी और खुशहाल महसूस करते हैं। माता-पिता के साथ बिताया गया गुणवत्तापूर्ण समय बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

पेरेंट्स के लिए सलाह

एक मां और भरतनाट्यम कलाकार अपेक्षा निरंजन के अनुसार, ₹एक-दूसरे का समर्थन करने और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए एक-दूसरे को सलाह देना और मार्गदर्शन करना चाहिए। इससे बच्चे को लगता है कि आप उसकी केयर करते हैं। इससे उसमें आत्म-सम्मान बढ़ता है और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे अवसाद का खतरा कम होता है।' अपेक्षा निरंजन के विचार से, कठिन समय में एक मजबूत समर्थन प्रणाली का होना बेहद महत्वपूर्ण है। जब परिवार के सदस्य एक-दूसरे को सलाह और मार्गदर्शन देते हैं, तो यह उन्हें समझने और स्वीकार करने की भावना प्रदान करता है।

पॉजिटिव रहना

छोटी-छोटी उपलब्धियों और सफलताओं का जश्न मनाना सकारात्मक प्रगति और परिणामों को जन्म देता है। ये तकनीकें मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और खुशहाल जीवनशैली प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं। इससे जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और मानसिक सहनशीलता बनाए रखने में सहायता मिल सकती है। जब हम अपनी छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाते हैं, तो यह हमें आत्म-संतुष्टि और आत्मविश्वास प्रदान करता है। यह हमें यह महसूस कराता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हमारे प्रयासों की सराहना हो रही है। इससे हम अधिक प्रेरित होते हैं और आगे भी सकारात्मक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

राखी के त्योहार के लिए अभी से सेव करके रखें मेहंदी की खास डिजाइन

भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। हर भाई-बहन इस त्योहार का इंतजार साल भर करते हैं। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं तो वहीं भाई अपनी बहनों को रक्षा का वचन देते हैं। इस साल राखी का ये पवित्र त्योहार 19 अगस्त को मनाया जाएगा।

राखी के त्योहार के लिए भाईयों से ज्यादा बहनें उत्साहित रहती हैं। इसके लिए वो काफी समय पहले से ही तैयारी शुरू देती हैं। रक्षाबंधन के दिन हर लड़की खूब अच्छे से तैयार होती हैं। इस दिन के लिए वो एक दिन पहले अपने हाथों पर मेहंदी भी रचाती हैं। अगर आप भी राखी के त्योहार पर अपने हाथों में भाई के नाम की मेहंदी रचाती हैं, तो आज ही इसके लिए स्पेशल डिजाइन सेव करके रख लें।

राखी बांधती बहन

अगर रक्षाबंधन की मेहंदी लगवाने का सोच रही हैं तो साधारण मेहंदी लगाने की जगह इस डिजाइन को चुनें। भाई के हाथ में राखी बांधती बहन की तस्वीर आपके मेहंदी को खास बनाएगी।

भाई को मिठाई खिलाती बहन

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने के बाद बहनें अपने भाई को मिठाई खिलाती हैं। ऐसे में आप अपने हाथों पर इस रस्म की झलक दिखा सकती हैं। इसके आसपास पारंपरिक कलाकृतियां अवश्य बनाएं।

दें बधाई

आप अपनी मेहंदी की डिजाइन से सभी को राखी की बधाई दे सकती हैं। इसके लिए इस तरह की भरे हाथ मेहंदी लगाएं और बीच के गोले में राखी की बधाई दें। ये डिजाइन भी अपने आप में काफी अलग है।

लिखें मैसेज

आप अपनी मेहंदी में अपने भाई के लिए खास मैसेज लिख सकती हैं। अपनी मेहंदी के जरिए अगर आप अपने भाई के प्रति प्यार जताएंगी तो उन्हें काफी अच्छा लगेगा। इस तरह की मेहंदी लगवाने में थोड़ा समय तो लगता है लेकिन ये देखने में बेहद खूबसूरत लगती है।

तिलक लगाती बहन

आप चाहें तो अपने दोनों हाथों में अलग-अलग डिजाइन बना सकती हैं। इसके लिए एक हाथ में तिलक लगाती हुई बहन की तस्वीर बनाएं और दूसरे हाथ में भाई की। ये भी रक्षाबंधन के लिए परफेक्ट डिजाइन रहेगी।

दिखाएं बॉन्डिंग

आप रक्षाबंधन की मेहंदी में अपने भाई के साथ की बॉन्डिंग दिखा सकती हैं। अक्सर घरों में भाई-बहन लड़ते और झगड़ते रहते हैं। ऐसे में आप भी अपनी मेहंदी की डिजाइन में अपनी बॉन्डिंग की झलक दिखाएं। एक हाथ में लड़ते भाई-बहन और दूसरे हाथ में प्यार जताते भाई-बहन की तस्वीर आपकी मेहंदी को खास बनाएगी।

फेफड़ों के कैंसर को लेकर सामने आई दो चौंकाने वाली जानकारियां, आप भी हो जाएं सावधान

फेफड़ों के कैंसर का खतरा दुनियाभर में तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है। ये वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से भी एक है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारतीय पुरुषों में लंग्स कैंसर, कैंसर से होने वाली मृत्यु का सबसे आम कारण है। यहां सभी प्रकार के कैंसर के लगभग 5 .9% और कैंसर से संबंधित मौतों के लगभग 8 .1% मामलों के लिए फेफड़ों के कैंसर को ही जिम्मेदार माना जाता रहा है। वैसे तो ये लंग्स कैंसर किसी भी उम्र और लिंग वालों में हो सकता है, पर पुरुषों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते जोखिमों के बारे में लोगों को जागरूक करने और इससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल एक अगस्त को वर्ल्ड लंग्स कैंसर डे मनाया जाता है। अध्ययनों में धूम्रपान को इसका सबसे बड़ा कारण बताया जाता रहा है। हालांकि हाल में हुए कई अध्ययन इस बात की तरफ इशारा कर रहे हैं कि भारत में फेफड़ों के कैंसर के ज्यादातर मरीजों ने कभी धूम्रपान नहीं किया है। मतलब कि इस कैंसर का जोखिम उन लोगों में भी बढ़ रहा है जो धूम्रपान नहीं करते हैं।

धूम्रपान न करने वालों में भी बढ़ रहा है खतरा

द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि यह निश्चित ही चौंकाने वाली बात है कि फेफड़ों के कैंसर के ज्यादातर मरीज ऐसे हैं जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। एशिया और पश्चिम के अन्य हिस्सों की तुलना में दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा मरीज ऐसे हैं जिनमें स्मोकिंग की कोई हिस्ट्री नहीं रही है। शोधकर्ताओं का मानना है कि संभवतः बढ़ता वायु प्रदूषण इसका कारण हो सकता है। मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल सेंटर के डॉक्टरों की एक टीम ने इस पेपर का शीर्षक दिया है- 'दक्षिणपूर्व एशिया में फेफड़े के कैंसर की विशिष्टता'

भारतीयों में कम उम्र में हो रहा है कैंसर

इस अध्ययन की रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। शोधकर्ताओं ने बताया कि पश्चिमी देशों में फेफड़ों के कैंसर का पता चलने की औसत आयु 54 से 70 के बीच है, हालांकि भारत में कम से कम 10 साल पहले 44-48 की उम्र वालों में भी इसका निदान किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नॉन स्मोकर्स में बढ़ते कैंसर के लिए वायु प्रदूषण और आनुवंशिक उत्परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। फेफड़े के कैंसर की दर जो साल 1990 में प्रति एक लाख लोगों पर पर 6.62 थी वह 2019 में प्रति बढ़कर 7.7 हो गई है।

वायु प्रदूषण बड़ा जोखिम

अध्ययन से पता चलता है कि महिलाओं की तुलना में पुरुष इस कैंसर का शिकार अधिक होते हैं। संभवतः पुरुषों में तंबाकू और धूम्रपान की आदत इसके लिए जिम्मेदार हो सकती है। पुरुषों में फेफड़ों के कैंसर की दर 42.4 प्रतिशत जबकि महिलाओं में 14.2 प्रतिशत है।

अध्ययन के लेखकों ने साल 2022 के विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दक्षिण एशिया सबसे प्रदूषित हिस्सों में से एक है। दुनियाभर के 40 प्रदूषित शहरों में से 37 यहीं से हैं। भारत, इंडोनेशिया, चीन, फिलीपींस और थाईलैंड जैसे देश एशिया में सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इन देशों में 2020 में 9.65 लाख से अधिक नए मामलों के साथ सबसे ज्यादा फेफड़े के कैंसर के मामले रिपोर्ट किए गए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययनकर्ताओं ने कहा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में असमानताएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में फेफड़े के कैंसर के बोझ और मृत्यु के खतरे को बढ़ा रही हैं। बमुश्किल 5 प्रतिशत मरीज ही समय पर सर्जरी और उचित इलाज प्राप्त कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, फेफड़ों के कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए सभी लोगों को प्रयास करते रहने की आवश्यकता है।

सबसे पहला कदम धूम्रपान छोड़ना है क्योंकि इससे सबसे ज्यादा खतरा होता है। सेकेंड हैंड स्मोक के संपर्क से भी जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा रेडॉन और रसायनों के संपर्क में रहने से भी बचने का प्रयास किया जाना चाहिए। वायु प्रदूषण के कारण होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए अच्छे क्वालिटी वाले मास्क का इस्तेमाल करें।

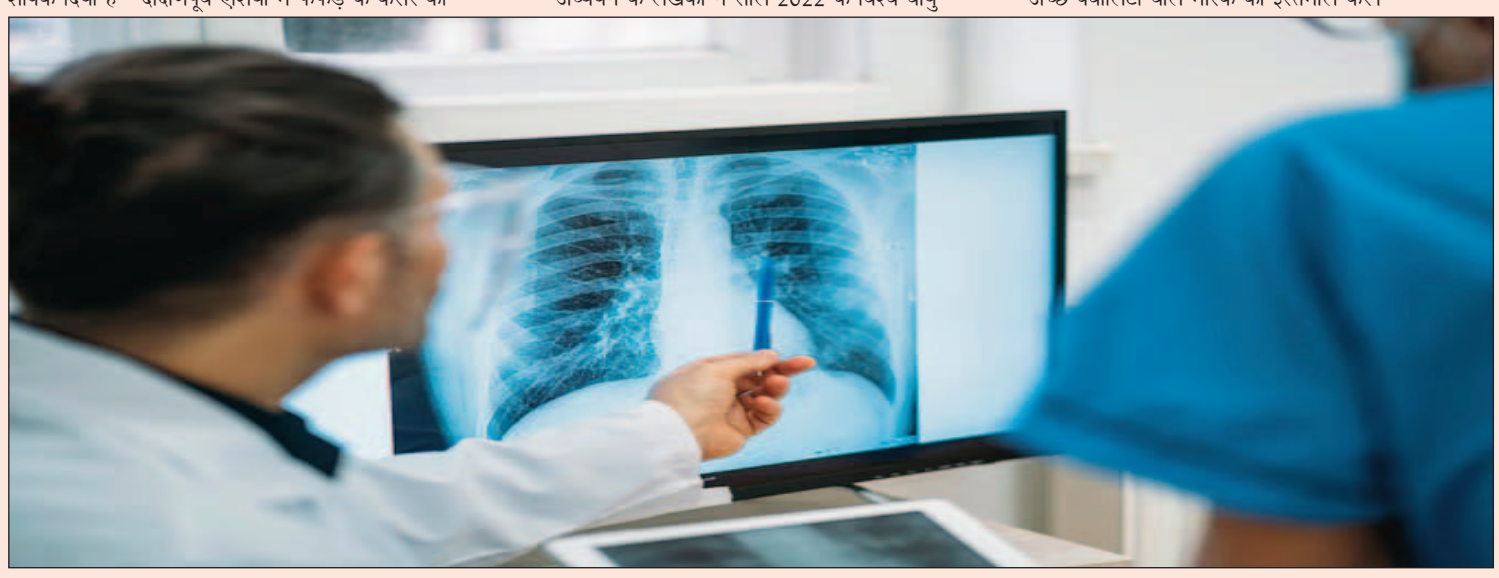

रक्षाबंधन से पहले करोड़ों लोगों को मिली राहत, सस्ता हो गया एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी तेल कंपनियों ने अगस्त महीने के पहले दिन लोगों को बड़ी राहत दी है। हर बार की तरह इस बार भी कंपनियों ने पहली तारीख को एलपीजी गैस सिलेंडर को दामों को अपडेट किया है। ऑयल कंपनियों ने आज शुक्रवार सुबह गैस सिलेंडर के दामों में कटौती की है। यह कटौती 19 किग्रा। वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर पर लागू की गई है।

जानकारी के मुताबिक कंपनियों ने करीब 33 रुपये 50 पैसे की कमी की है। नए दाम आज शुक्रवार 1 अगस्त 2025 से लागू हो गए हैं। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम जस के तस बने हुए है। उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बता दें, 14 किग्रा। वाले घरेलू गैस के दामों में आखिरी बार 8 अप्रैल को बदलाव हुए थे। उसके बाद दाम स्थिर बने हुए हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी दिल्ली में कमर्शियल गैस के नए दाम 163150 रुपये हो गए हैं। पहले इसके दाम 1665 रुपये था। मायानगरी मुंबई में यही सिलेंडर अब 158250 रुपये में उपलब्ध होगा। पहले इसकी कीमत करीब 1616 रुपये थी। कोलकाता की बात करें तो इसकी कीमत घटकर 1734।50 रुपये हो गई है। पहले यह 1769 रुपये में बिक रहा था। चेन्नई में कमर्शियल गैस का यही सिलेंडर 1789 रुपये में बेचा जाएगा। पहले यह 1823।50 रुपये में बिक रहा था। बता दें, दाम घटने से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग और फूड इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को फायदा होगा।

बात घरेलू गैस सिलेंडर की करें तो इसके दामों में किसी भी प्रकार की फेरबदल नहीं की गई है। राजधानी दिल्ली में यह 853 रुपये में उपलब्ध है। मुंबई में इसके दाम 852.50 रुपये, हैदराबाद में 905 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 890।50 रुपये, बिहार की राजधानी पटना में 942.50 रुपये हैं।

केवल पेनल्टी ही नहीं बिलेटेड आईटीआर भरने के ये हैं 5 बड़े नुकसान, ये रही डिटेल्स

आप 31 दिसंबर तक बिलेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं ।लेकिन इसके लिए आपको लेट फीस के तौर पर पेनल्टी भरनी पड़ती है ।इसके अलावा भी कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं, जिसके बारे में तमाम लोगों को जानकारी नहीं है ।आइए जानते हैं ...

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की लास्ट डेट 31 जुलाई थी जो अब खत्म हो चुकी है ।31 जुलाई तक अगर आपने इनकम टैक्स रिटर्न नहीं फाइल किया है और अब बिलेटेड आईटीआर फाइल करने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है ।दरअसल, बिलेटेड आईटीआर फाइल करने के लिए जहां आपको एक्स्ट्रा समय मिलता है वहीं इसके कुछ नुकसान भी हैं ।वैसे तो आप 31 दिसंबर तक बिलेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं । लेकिन इसके लिए आपको लेट फीस के तौर पर पेनल्टी भरनी पड़ती है । इसके अलावा भी कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं, जिसके बारे में तमाम लोगों को जानकारी नहीं है। आइए जानते हैं...

बिलेटेड आईटीआर फाइल करने के नुकसान

अगर आप बिलेटेड आईटीआर फाइल करते हैं, तो आपको लॉस को अगले साल के लिए कैरी फॉरवर्ड की परमीशन नहीं मिलती है । वहीं सामान्य स्थिति में आप लॉस को 8 साल तक कैरी फॉरवर्ड कर सकते हैं ।

बिलेटेड आईटीआर भरने वालों को डिपार्टमेंट ब्याज का भुगतान नहीं करता है। बता दें कि समय से आईटीआर फाइल करने पर टैक्सपेयर को रिफंड दिए जाने की तिथि तक राशि पर 0।5 फीसदी प्रति माह की दर से ब्याज मिलता है।

अगर बिलेटेड आईटीआर दाखिल करते समय कोई टैक्स बकाया है, तो उसे दंडात्मक ब्याज का भुगतान करना होगा। ये 1% प्रतिमाह की दर से लगाया जाता है। दंडात्मक ब्याज, बकाए टैक्स के प्रकार के आधार पर धारा 234A, 234B और 234C के तहत लगाया जाता है।

बिलेटेड रिटर्न भरने के बाद अगर आपका टैक्स रिफंड बनता है तो ये देरी से मिलता है। आईटीआर फाइलिंग में देरी होने से प्रोसेसिंग देरी से होगी और रिफंड देर से आएगा।

बिलेटेड आईटीआर में आपको ओल्ड टैक्स रिजीम का चुनाव करने का विकल्प नहीं मिलता। ऐसे में आपको न न चाहते हुए भी न्यू टैक्स रिजीम के तहत रिटर्न दाखिल करना होता है। बता दें कि जो टैक्सपेयर्स डिडक्शन का फायदा लेकर टैक्स की बचत करना चाहते हैं, वो ओल्ड टैक्स रिजीम को चुनते हैं। लेकिन डेडलाइन निकलने के साथ ये ऑप्शन भी उनके हाथ से निकल जाता है।

ऐपल ने दर्ज की 2021 के बाद सबसे बड़ी राजस्व वृद्धि

नईदिल्ली, 01 अगस्त। ऐपल ने दिसंबर, 2021 के बाद अब तक की सबसे बड़ी राजस्व वृद्धि दर्ज की है। तीसरी तिमाही में आईफोन की बिक्री में 13 प्रतिशत की सालाना बढ़त हुई और कुल राजस्व 10 प्रतिशत बढ़कर 94.04 अरब डॉलर (लगभग 8,200 अरब रुपये) पहुंच गया। विश्लेषकों को इससे कम नतीजों की उम्मीद थी। सीईओ टिम कुक ने कहा कि यह हर लिहाज से एक शानदार तिमाही रही। आईफोन 16 की मांग ने कंपनी के मुनाफे को काफी बढ़ाया है। ऐपल के सेवा कारोबार में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 27.42 अरब डॉलर (लगभग 2,400 अरब रुपये) तक पहुंच गया। आईक्लाउड और ऐप स्टोर से कंपनी को अच्छी आमदनी हुई। मैक की बिक्री में भी 15 प्रतिशत की बढ़त देखी गई, जिसमें अपडेटेड मैकबुक एयर की भूमिका प्रमुख रही। यह ऐपल की किसी एक इकाई की सबसे तेज बढ़त थी। कंपनी ने सकल मार्जिन 46.5 प्रतिशत दर्ज किया, जो अपेक्षा से बेहतर रहा। आईपैड की बिक्री में 8 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 6.58 अरब डॉलर (लगभग 600 अरब रुपये) रह गई। वियरेबल्स इकाई, जिसमें ऐपल वॉच और एयरपॉड्स शामिल हैं, का राजस्व 8.64 प्रतिशत गिरकर 7.4 अरब डॉलर पर आ गया। दूसरी ओर, ऐपल को चीन से राहत मिली जहां बिक्री 4 प्रतिशत बढ़कर 15.37 अरब डॉलर तक पहुंची।

पति- पत्नी किसे भरना होगा किराए की इनकम पर टैक्स? ITR भरने से पहले चेक करें डिटेल

केंद्र सरकार की ओर से वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दिया है। टैक्स फाइलिंग को लेकर काफी सारी कन्फ्यूजन भी हो रही है। अगर आप भी घर ओन करते हैं और उसे किसी को किराए पर दिए हुए हैं। सोच रहे हैं कि उसकी इनकम पर टैक्स लगेगा या नहीं या फिर वह घर पति-पत्नी दोनों के नाम पर है तो किसे टैक्स देना होगा? इस तरह के सवाल आपके मन में आ रहे हैं तो आप ठीक जगह पर हैं। आइए हम आपको रेंटल प्रॉपर्टी पर टैक्स से जुड़े नियमों के बारे में बताते हैं।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से रेंटल इनकम पर टैक्स के लिए प्रावधान बनाए गए हैं। पहली बात को रेंटल इनकम पर टैक्स देना होता है। लेकिन इसके नियम हैं। अगर कोई पति-पत्नी किसी घर को ओन करते हैं और उस पर उन्हें कुछ फिक्स अमाउंट का किराया मिलता है। तो उन पर टैक्स लगेगा।आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 के अनुसार, जब एक जॉइंट प्रॉपर्टी (मकान) मल्टीपल लोगों के साथ में होती है और उनके शेयर्स फिक्स्ड और क्लियर होते हैं, तो उस प्रॉपर्टी से होने वाली इनकम को हर को-ओनर के हिस्से के हिसाब से उनके नाम पर टैक्स के लिए कैलकुलेट किया जाता है।

कर सकते हैं क्लेम

वहीं, हर को-ओनर अपनी शेयर की इनकम को इंडिपेंडेंटली कैलकुलेट कर सकता है। वो सेक्शन 24 के अंडर स्टैंडर्ड डिडक्शन या बॉरोड कैपिटल पर इंटरेस्ट जैसी डिडक्शन भी अलग-अलग क्लेम कर सकते हैं। यह इनकम हर को-ओनर को अपनी इंडिविजुअल इनकम टैक्स रिटर्न में शो करनी होती है। मतलब, हर एक अपने शेयर के बेसिस पर टैक्स का हिसाब देता है, जिससे टैक्स कैलकुलेशन में क्लैरिटी और फेयरनेस रहती है। यह रूल एनश्योर करता है कि जॉइंट प्रॉपर्टी की इनकम को ठीक से डिवाइड किया जाए।

रूस-अमेरिका का तनाव हथियारों की तैनाती तक पहुंचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और रूस के बीच तनाव अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दो परमाणु पनडुब्बियों को रूस के नजदीकी क्षेत्रों में तैनात करने का आदेश दिया है। इसकी वजह है रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के वो बयान, जो अमेरिका को परमाणु हमले की अप्रत्यक्ष चेतावनी जैसे लग रहे हैं। ट्रंप ने इसे फाइनल अल्टीमेटम तक कह दिया।

इसी बयानबाजी के बीच आज से 63 साल पहले यानी 1962 के अक्टूबर की उस घटना की चर्चा हो रही है जिसे क्यूबा मिसाइल संकट कहा जाता है। ये वो समय था जब अमेरिका और सोवियत संघ एक वास्तविक परमाणु युद्ध के मुहाने पर पहुंच गए थे।

1- क्या था क्यूबा मिसाइल संकट?

इसे समझने के लिए पहले एक साल पीछे जाना होगा, यानी 1961 में। ये वो साल था जब बर्लिन की दीवार खड़ी गई थी। इससे यूरोप में तनाव चरम पर पहुंच चुका था। दूसरी तरफ वियतनाम में अमेरिका अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा था ताकि दक्षिण वियतनाम को कम्युनिस्ट उत्तर से बचा सके।

इसी समय अमेरिका और सोवियत संघ के बीच अंतरिक्ष होड़ भी तेज थी। रूस ने 1959 में यूरी गगारिन को अंतरिक्ष में भेजकर अमेरिका को चौंका दिया था। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी पर दबाव था कि वो कम्युनिस्ट ताकतों के सामने मजबूती से खड़े हों।

2- सोवियत संघ और क्यूबा की डील

अमेरिका की तरफ से क्यूबा में 1961 की Bay of Pigs नाम की असफल साजिश के बाद सोवियत संघ ने क्यूबा को सैन्य सुरक्षा देने का फैसला किया। जुलाई 1962 में सोवियत नेता निकिता क्रुश्चेव और क्यूबा के फिदेल कास्त्रो के बीच एक गुप्त समझौता हुआ सोवियत संघ क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात करेगा। मकसद साफ था कि अगर अमेरिका दोबारा हमला करे, तो रूस क्यूबा की रक्षा कर सके।

3- क्यूबा और सोवियत संघ के बीच हुई डील की कहानी

The Guardian की एक खबर के मुताबिक मई 1962 में जब सोवियत संघ (रूस) ने क्यूबा में परमाणु हथियार तैनात करने का प्रस्ताव रखा, तो क्रांति से निकली क्यूबा सरकार ने तुरंत हामी भर दी। उस समय क्यूबा खुद को अमेरिका से बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहा था। अपने सशस्त्र बलों को मजबूत कर रहा था और किसी भी हमले को रोकने की रणनीति तैयार कर रहा था।

इस शख्स की वजह से दुनिया में छिड़ेगा परमाणु युद्ध!

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक नाम अचानक सुर्खियों में आ गया है, दिमित्री मेदवेदेव। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष मेदवेदेव ने हाल ही में ऐसा बयान दे दिया, जिसे अमेरिका ने सीधी परमाणु धमकी मान लिया।

नतीजा ये हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के पास दो परमाणु पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दे डाला। अब दुनिया सहमी हुई है, क्योंकि दोनों परमाणु ताकतें एक-दूसरे को खुली चेतावनी दे रही हैं।

आखिर ये तनाव कैसे बढ़ा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते हफ्ते चेतावनी दी थी कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्धविराम के लिए सहमत नहीं होते, तो अमेरिका रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाएगा। ट्रंप ने इसे एक सीजफायर-या-सैंक्शन डेडलाइन करार दिया था। इसका जवाब देते हुए मेदवेदेव ने अमेरिका को रूस की कुख्यात परमाणु प्रणाली डेड हैंड की याद दिलाई एक ऐसा सिस्टम जो अगर रूस पर पहला हमला होता है, तो अपने-आप जवाबी परमाणु हमला कर देता है। ट्रंप ने इस बयान को गंभीर खतरा मानते हुए रूस के पास परमाणु पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिया। उन्होंने मेदवेदेव को फेल्ड प्रेजिडेंट कहकर चेतावनी दी कि वो "खतरनाक जमीन" पर कदम रख रहे हैं।

कौन हैं दिमित्री मेदवेदेव?

2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति रहे। उस वक्त व्लादिमीर पुतिन संविधान के कारण राष्ट्रपति नहीं बन सकते थे, तो उन्होंने मेदवेदेव को सामने रखा। जन्म लेनिनग्राद (अब सेंट पीटर्सबर्ग) में हुआ। पेशे से वकील हैं। 1990 के दशक से ही पुतिन के करीबी रहे। राष्ट्रपति बनने से पहले गैज़प्रॉम के चेयरमैन, उप प्रधानमंत्री और चीफ ऑफ स्टाफ जैसे अहम पद संभाले। राष्ट्रपति रहते हुए New START परमाणु संधि और पुलिस सुधार जैसे शांतिपूर्ण कदम उठाए थे। 2020 तक रूस के प्रधानमंत्री रहे, अब राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष हैं, पर असल ताकत सीमित मानी जाती है।

परमाणु धमकियों का नया पोस्टर बॉय

राष्ट्रपति रहते हुए मेदवेदेव को उदार और प्रगतिशील चेहरा माना जाता था, लेकिन 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद उनका रूप पूरी तरह बदल चुका है।अब वे लगातार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले की अप्रत्यक्ष धमकियां देते हैं, और सोशल मीडिया पर अमेरिकी और यूरोपीय नेताओं को तंज कसते हैं। जानकार मानते हैं कि ये बयानों का सिलसिला पुतिन और रूसी राष्ट्रवादियों के बीच अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश है।

डेड इकॉनम से तेल तक... काशी से पीएम मोदी ने ट्रंप को इशारों-इशारों में दिया जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी।"भारत और अमेरिका के बीच इन दिनों टैरिफ के कारण घमासान मचा हुआ है। एक तरफ ट्रंप भारत को हर बात में अपनी सलाह दे रहें तो वहीं दूसरी तरफ टैरिफ की धमकी भी देते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की इन धमकियों पर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों ही इशारों में अपना और भारत का रुख स्पष्ट कर दिया है।

काशी में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के सवालों और भारत क्या करेगा क्या नहीं इसको लेकर साफ कर दिया है। उन्होंने ट्रंप के डेड इकॉनमी वाले बयान पर कहा कि भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। जल्द ही भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है, अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर फोकस कर रहे हैं। भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है।

रूस से भारत इस समय तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने इसको लेकर कहा था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। ये अच्छी बात है। ट्रंप के इस बयान पर पीएम मोदी ने कहा कि हम क्या खरीदेंगे और क्या नहीं खरीदेंगे, ये सब कुछ राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए होगा। इससे साफ है कि भारत रूस से तेल खरीदना और अन्य हथियार खरीदना जारी रखेगा। इसमें किसी भी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

अमेरिका भारत को लंबे समय से अपना फाइटर जेट एफ-35 बेचने की कोशिश कर रहा है। हालांकि भारत कई बार इस ऑफर को ठुकरा चुका है। टैरिफ ऐलान के बाद भारत ने अमेरिका के F-35 लड़ाकू विमान को खरीदने से इनकार कर दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2025 में अमेरिका की यात्रा की थी और व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। इस दौरान ट्रंप ने भारत को F-35 लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की थी। आज काशी की सभा में भी पीएम मोदी ने कहा कि भारत वहीं खरीदेगा जिसमें भारत की मिट्टी और भारतीय लोगों का श्रम शामिल होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस के संबंधों पर आपत्ति दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्था को डुबाना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारत पर रूस के साथ खरीदारी के लिए पेनाल्टी लगाने की बात भी कही थी। इस बयान के एक दिन बाद ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने रूस से तेल लेना बंद कर दिया है। हालांकि इस तरह के दावों में कोई हकीकत नहीं है। पीएम मोदी भी साफ कर चुके हैं कि रूस के साथ तेल की खरीदारी जारी रहेगी।

भारत और रूस के संबंधों और बिजनेस को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वो अपनी अर्थव्यवस्था को एक डुबा सकते हैं, मुझे इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। अमेरिका का भारत के साथ लिमिटेड बिजनेस है। हालांकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ भारत ही वसूलता है। इसी तरह अमेरिका और रूस का भी कोई बिजनेस नहीं है। उन्होंने भारत से आने वाले आयात पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने पर भारत को अतिरिक्त सजा भी मिलेगी।

हर रोज 8 भारतीयों को अमेरिका से भेजा जा रहा वापस, बाइडेन के समय सिर्फ इतना था आंकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में कई बातों और फैसलों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। चाहे वो अवैध प्रवासियों का मामला हो या फिर दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने का मामला हो। हर बार वे किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप प्रशासन ने 1700 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया है। ये आंकड़े बाइडन सरकार की तुलना में तीन गुने से भी ज्यादा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रेप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन के आंकड़ों में तेजी देखने को मिली है। मौजूदा सरकार और पुरानी सरकार की तुलना की जाए तो ये आंकड़े तीन गुने से भी ज्यादा हैं। छह महीनों के भीतर ही अमेरिका से 1703 लोगों को भारत वापस भेजा गया है।

जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका से भारतीय नागरिकों के निर्वासन में तेजी देखने को मिल रही है। जो बाइडेन प्रशासन के दौरान देखे गए दैनिक औसत से लगभग तिगुना है। विदेश मंत्रालय (MEA) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल केवल साढ़े छह महीनों में 1,703 भारतीयों को निर्वासित किया गया है। लगभग हर दिन आठ, जबकि जनवरी 2020 और दिसंबर 2024 के बीच औसतन तीन प्रतिदिन थे। यह तेजी पिछले साढ़े पांच सालों में दर्ज किए गए सभी भारतीयों के निर्वासन का लगभग एक चौथाई है, जिनकी कुल संख्या 7,244 है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने वीजा धारकों को एक चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था "हम वीज़ा धारकों की लगातार जांच करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सभी अमेरिकी कानूनों और आव्रजन नियमों का पालन कर रहे हैं। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके वीजा रद्द कर देंगे और उन्हें निर्वासित कर देंगे। पिछले कुछ दिनों में देखने को मिला है कि अमेरिका ने अपने वीजा नियम और भी सख्त किए हैं।

कब-कब डिपोर्ट किए गए भारतीय?

इस साल में अब तक 1,703 निर्वासनों में से 864 व्यक्तियों को अलग-अलग अमेरिकी एजेंसियों की तरफ से आयोजित चार्टर और सैन्य उड़ानों से वापस भेजा गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा ने 5, 15 और 16 फ़रवरी को सैन्य उड़ानों के ज़रिए 333 भारतीयों को वापस भेजा था। 19 मार्च, 8 जून और 25 जून को 231 अन्य लोगों को आईसीई चार्टर प्लेन से डिपोर्ट किया गया। गृह सुरक्षा विभाग ने 5 और 18 जुलाई को 300 और भारतीयों को डिपोर्ट किया है।

तेजस्वी का दावा- वोटर लिस्ट से नाम कटा, चुनाव आयोग ने आरोपों को बताया गलत

पटना। RJD नेता तेजस्वी यादव ने SIR के मामले पर फिर आक्रामक रुख दिखाया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में धांधली की गई है। शनिवार को एक पोलो रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए तेजस्वी यादव ने यह बातें कहीं। उन्होंने ये भी दावा किया कि वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं है। तेजस्वी के इस आरोप का चुनाव आयोग ने जवाब दिया है। उसने वोटर लिस्ट दिखाकर बताया कि तेजस्वी का नाम सूची में मौजूद है।

इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा कि हम शुरू से ही इस पूरे मामले पर अपनी आवाज को उठाते रहे। हमारे सुझाव को नहीं माना गया। सुप्रीम कोर्ट के सुझाव की भी अनदेखी चुनाव आयोग की तरफ से की गई। शुरू से ही हमारा कहना था कि जो नई वोटर लिस्ट आएगी तो कई गरीब लोगों के नाम नहीं रहेंगे, लेकिन चुनाव आयोग का कहना था कि किसी का नाम नहीं कटेगा।

वोटर लिस्ट में तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरा नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। उनका नाम काट दिया गया है। उन्होंने सवाल पूछा है कि अब मैं चुनाव कैसे लड़ूंगा? तेजस्वी ने दावा किया है कि उन्होंने एसआईआर के दौरान गणना प्रपत्र भी भरा था, इसके बावजूद भी नाम काटा गया है।

तेजस्वी नेता ने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सूची सभी राजनीतिक दलों को दी जा रही है, लेकिन चोर की दाढ़ी में तिनका है। वह हम लोग बताएंगे। चुनाव आयोग के द्वारा कहा गया था कि मतदाता सूची से हटाए गए हर नाम की जानकारी और कारण बताया जाएगा। कल हमारा महागठबंधन के डेलिगेशन चुनाव आयोग गया था। हमने अपनी बातों को रखा है, लेकिन चुनाव आयोग ने एक बार भी हमारी बातों पर गौर नहीं किया। जो दो गुजराती बताएंगे, वही बिहार का वोटर होगा। जब वो कहेंगे बिहार की वोटर लिस्ट में उसी का नाम जाएगा। इसी प्रकार की गड़बड़ी चुनाव आयोग यहां करने के मूड में है। चुनाव आयोग ने नाम काटने की जानकारी तो दी है, लेकिन यह नहीं बताया कि नाम को किन कारण से काटा गया है। उन्होंने कई विधानसभा क्षेत्रों का हवाला भी दिया।

'EC ने पहले ही मन बना लिया किस पार्टी की सरकार बनानी है'

उन्होंने कहा कि हर विधानसभा से 20 से 30 हजार नाम काटे गए हैं। लगभग 8।50 प्रतिशत नाम काट दिए गए हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने चालाकी और साजिश करते हुए न तो बूथ का नाम दिया है और न ही वोटर का पता दिया है, जबकि चुनाव आयोग को हम चुनौती दे रहे हैं कि वह पूरी जानकारी दे। चुनाव आयोग अपनी तरफ से जो भी जानकारी उपलब्ध कराता था, तो विभिन्न कारणों का हवाला देता था और बताया जाता था कि किन कारणों से नाम कटा है।

तेजस्वी ने कहा कि सबसे अहम ईपीआईसी नंबर नहीं दिया है ताकि हम इसका तुलनात्मक अध्ययन करें। यह चुनाव आयोग की चालाकी है। आपने पहले से ही मन बना लिया है कि किस पार्टी की सरकार बनानी है, तो इसी सरकार का एक्सटेंशन कर दीजिए। अगर अस्थाई पलायन से 36 लाख मतदाताओं का नाम कटेगा तो भारत सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार बिहार से बाहर तीन करोड़ से भी ज्यादा पलायन है। इस संख्या से ज्यादा होना चाहिए। अगर इलेक्शन कमिशन की माने तो यह संख्या तीन करोड़ से ऊपर होती है। क्या इनका फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया था? क्योंकि यह गाइडलाइन में लिखा हुआ है। क्या मतदाताओं को उनका नाम काटने से पहले क्या नोटिस या सूचना दी गई थी?

चुनाव आयोग आखिर क्या छुपा रहा है? तेजस्वी

तेजस्वी ने एक के बाद एक 10 सवाल दागते हुए कहा कि चुनाव आयोग आखिर क्या छुपा रहा है? मेरा सवाल चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को हमारी बात नहीं सुनाई दी है। फिर भी हमारी कुछ मांगे हैं। निर्वाचन आयोग तत्काल उन मतदाताओं की सूची कारण सहित बूथ के हिसाब से उपलब्ध कराए, जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है। हम लोग कारण जानना चाहते हैं। जब तक यह पारदर्शिता हल नहीं होती, तब तक अपनी आपत्ति दर्ज करने की अवधि को बढ़ाया जाए। चुनाव आयोग ने केवल सात दिनों तक ही आपत्ति दर्ज करने का वक्त दिया है। उन्होंने चुनाव आयुक्त को चुनौती देते हुए कहा कि अगर आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो हमारे सवालों का जवाब दें। चुनाव आयुक्त जानकारी दें कि किन कारणों से 65 लाख लोगों का वोटर लिस्ट से नाम काटा गया है। ऐसा हम लोगों ने नहीं देखा है।

दोगुनी हुई BLO की सैलरी, बिहार SIR में शामिल इन कर्मचारियों की भी लगी लॉटरी

पटना। बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने अपने बूथ लेवल कर्मचारियों (blo) की वेतन बढ़ा दी है। चुनाव आयोग ने कर्मचारियों का वेतनमान दोगुना कर दिया है, जिन कर्मचारियों को 6000 रुपये मिलते थे, अब यह राशि दोगुनी होकर 12000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि कर दी गई है। निर्वाचन आयोग की तरफ से इस संबंध में जानकारी भी उपलब्ध करा दी गई है।

निर्वाचन आयोग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार आयोग ने बीएलओ के वार्षिक पारिश्रमिक को दोगुना किया है। इसके अलावा मतदाता सूचियों की तैयारी एवं पुनरीक्षण में शामिल बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि करने का निर्णय लिया है।

आयोग की तरफ से जानकारी दी गई है कि 10 साल पहले 2015 में ऐसा संशोधन किया गया है। साथ ही साथ पहली बार इआरओ यानी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और एईआरओ यानी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के लिए मानदेय प्रदान किया गया है।

चुनाव आयोग की तरफ से बताया गया कि बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ को अब तक केवल 6 हजार रुपये महीने का वेतन दिया जा रहा था। इसमें बदलाव करते हुए बीएलओ की वेतन 12000 रुपये की जाती है। इसके साथ ही जो बीएलओ मतदाता सूची के पुनरीक्षण (SIR) में लगे हुए हैं उनको 1 हजार रुपये के बदले 2 हजार रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे।

इलेक्शन कमीशन ने बीएलओ पर्यवेक्षक की भी सैलरी बढ़ा दी है। अब तक 12 हजार रुपए मिल रहे थे जिसे संशोधित कर दिया गया है। अब उन्हें 18000 रुपए मिलेंगे। ईआरओ को 25 हजार रुपए जबकि एईआरओ को 30 हजार रुपए मिलेंगे। इन दोनों को ही अब तक कुछ भी नहीं मिल रहा था।

इलेक्शन कमीशन ने इस बात की भी जानकारी दी है कि बिहार से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ हेतु 6000 रुपए के विशेष प्रोत्साहन को मंजूरी दी थी। आयोग का कहना है कि मतदाता सूची मशीनरी जिसमें निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी, बीएलओ पर्यवेक्षक और बूथ लेवल अधिकारी शामिल है। जो कड़ी मेहनत करते हैं। यह सभी निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सचिया तैयार करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए आयोग ने इन सभी के वार्षिक पारिश्रमिक को दोगुना करने का निर्णय लिया है।

बॉलीवुड हसीनाएं, जिनकी एक्टिंग के दम पर फिल्में हुईं सुपरहिट

महिलाओं ने बॉलीवुड में अपनी काबिलियत को बखूबी दिखाया है। बॉलीवुड की कई ऐसी हीरोइनें हैं, जिन्होंने फिल्म बिना किसी हीरो के अपने बूते हिट करवाई है। कहने का मतलब साफ है कि अगर ऐसा समझा जाए कि सिर्फ हीरो के दम पर ही फिल्में चलती हैं, तो ऐसा नहीं है। अगर फिल्म में हीरोइन का रोल दमदार हो, तो इसका कमाल दिखना तय है। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर उन हीरोइनों की बात करेंगे, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से फिल्म को हिट और सुपरहिट की श्रेणी तक पहुंचाया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की बात करें, तो उनकी फिल्में 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'राजी' ऐसी फिल्में हैं, जिन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों ही फिल्मों में आलिया का लीड रोल था। आलिया का अभिनय ही था कि ये दोनों फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हुईं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए तो आलिया को नेशनल अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ने 200 करोड रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया। कम बजट में बनी 'राजी' ने भी 100 करोड़ से ज्यादा कमाए।

सोनम कपूर

जब महिलाओं पर आधारित फिल्मों की बात करें, तो ऐसे में

सोनम कपूर का और उनकी फिल्म 'नीरजा' का जिक्र जरूरी हो जाता है। सोनम कपूर ने इस फिल्म में अशोक चक्र से सम्मानित नीरजा भनोट का रोल निभाया था। फिल्म में दिखाया गया कि किस तरह एयर होस्टेस ने अपनी जान की बाजी लगाकर विमान में मौजूद यात्रियों को बचाया था। सोनम ने अपनी एक्टिंग से फिल्म में जान डाली दी थी।

कंगना रणौत

विकास बहल के डायरेक्शन में बनाई गई कंगना रणौत की फिल्म 'कवीन' का जादू ऐसा चला कि फिल्म ने खूब तारीफ पाई। कंगना का शानदार अभिनय फिल्म को कामयाब बनाने के पीछे की एक बड़ वजह रहा। इस बेहतरीन फिल्म के बाद तो कंगना को फैंस ने बॉलीवुड क्वीन नाम ही दे दिया। रानी मेहरा के किरदार ने दर्शकों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

रानी मुखर्जी

फिल्म 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी के एक्शन सीन्स का ऐसा जलवा दिखा कि फैंस को भा गया। सीन्स के साथ उनका एक-एक डायलॉग ऐसा था जिसे एक बार सुनो, तो लंबे समय तक आपके कानों में गूंज रहेगी। एक डायलॉग आपको भी याद दिलवा दें-'जिस दुनिया में मां बहने रिश्ते नहीं गाली हैं, उस दुनिया से मर्यादा के रिश्ते सारे तोडूंगी।' रानी का कमाल ही था कि फिल्म को हिट करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

विद्या बालन

विद्या बालन की 'डर्टी पिक्चर' की बात करें, तो फिल्म में विद्या बालन की एक्टिंग ने ऐसा कमाल किया कि बहुत ही कम बजट में बनने के बावजूद इसने खूब अच्छा प्रदर्शन किया। विद्या ने अपना बोल्ड अवतार दिल खोलकर दिखाया। फिल्म का पहला पोस्टर आते ही विद्या की बोल्ड इमेज की चर्चा शुरू हो गई थी, लेकिन इसके साथ ही विद्या ने अपनी जोरदार एक्टिंग से सबको हैरान कर दिया।

विदेशी पर्यटक को कूड़ा उठाते देख भड़कीं कंगना रनौत, गंदगी फैलाने वालों को कहा- शर्म करो

बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रनौत ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक विदेशी पर्यटक को कूड़ा उठाते हुए देखा जा सकता है। इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने प्रतिक्रिया भी दी है। आइए जानते हैं क्या बोलीं एक्ट्रेस।

क्या है वायरल वीडियो?

हाल ही में एक्ट्रेस-पॉलिटिशयन कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें एक व्यक्ति झरने के पास से कूड़ा उठाता हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ भारतीय पर्यटक उस नजारे का आनंद लेते या इधर-उधर घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। कूड़ा उठाने के बाद, उस व्यक्ति ने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा, 'अगर मेरे पास एक दिन खाली हो, तो शायद मैं यहां बैठकर देखूं और लोगों से कहूं- इसे उठाओ। मैं ऐसा करूंगा। मुझे किसी को बताने में कोई दिक्कत नहीं है।' ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कंगना रनौत ने कहा- शर्मनाक

इस वायरल वीडियो क्लिप को अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए कंगना रनौत ने लिखा कि शर्मनाक। आपको बताते चलें कि इस वीडियो को हिमाचल प्रदेश का ही बताया जा रहा है। इस वजह से एक्ट्रेस ने अपने राज्य की जनता को इसके माध्यम से संदेश दिया है कि वो स्वच्छता का ध्यान रखें।

कंगना रनौत का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री कंगना रनौत के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'इमरजेंसी' फिल्म में देखा गया था, जिसमें वो भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आईं थीं। इसके अलावा अभनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह आर माधवन के साथ अगली फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका नाम है 'सर्कल'।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com